दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

असली आज़ादी

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik aslizadidainikofficial

■ वर्षः 22, अंकः 05 ■ दमण, सोमवार 21, सितंबर 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

दमण-दीव कांग्रेस अध्यक्ष केतन पटेल और अमी पटेल ने दीव सिद्धिविनायक गणपति का दर्शनकर लिया आशीर्वाद

■ केतन पटेल, अमी पटेल एवं उनके पुत्र तथा पुत्री ने दीव के सिद्धिविनायक गणेश की आरती उतारकर प्रदेश एवं देश की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 20 सितंबर। दमण-दीव के कांग्रेस अध्यक्ष केतन पटेल एवं अमी पटेल ने दीव के सिद्धिविनायक गणेश मंडल द्वारा स्थापित गणपति बप्पा का दर्शन करने पहुंचे थे। इस अवसर पर दमण-दीव कांग्रेस अध्यक्ष केतन पटेल, अमी पटेल एवं उनके पुत्र एवं पुत्री ने सिद्धिविनायक के गणपति बप्पा का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके साथ ही विघ्नहर्ता भगवान गणेश की आरती उतारकर देश एवं प्रदेश की सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर सिद्धिविनायक गणेश उत्सव आयोजकों के साथ-साथ बडी संख्या में गणेश भक्तों की मौजूदगी रही।

संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया एवं भाजपा पदाधिकारियों ने जेटी के राजा का लिया आशीर्वाद

■ संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हरीश पटेल, दमण जिला पंचायत उपाध्यक्षा रीना पटेल, दमण जिला भाजपा ओबीसी मोर्चा महामंत्री भावेश पटेल, दमण जिला महिला मोर्चा अध्यक्षा रूक्षमणी भानुशाली सहित ने बप्पा की उतारी आरती

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 सितंबर। दमण में जेटी ग्रुप द्वारा आयोजित गणेश उत्सव में भाजपा पदाधिकरियों एवं कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हरीश पटेल, दमण जिला पंचायत उपाध्यक्षा रीना पटेल, दमण जिला भाजपा ओबीसी मोर्चा महामंत्री भावेश पटेल, दमण जिला महिला मोर्चा अध्यक्षा रूक्षमणी भानुशाली, मिनाक्षीबेन, मित्तलबेन सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने विघ्नहर्ता भगवान गणेश की आरती उतारी और प्रदेश एवं देश की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। इस मौके पर जेटी ग्रुप गणेश महोत्सव के आयोजक और काउंसिलर कल्पेश सीताराम ने उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों का स्वागत किया। इस दौरान आयोजक मंडल की ओर से सरल दमणिया, जिकेश टंडेल, सुनीलभाई, धर्मेशभाई सहित बडी संख्या में गणेश भक्त मौजूद रहे।

नवीन पटेल ने अपनी धर्मपत्नी पिंकी पटेल के साथ गणपति बप्पा का दर्शन कर उन्हें किया विदा

■ दमण जिला पंचायत के पूर्व प्रमुख नवीन पटेल एवं उनके परिवार द्वारा दलवाडा प्रगति युवक मंडल बैनर तले पिछले कई वर्षों से गणेश महोत्सव का धूमधाम से किया जाता है आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 सितंबर। दमण जिला पंचायत के पूर्व प्रमुख नवीन पटेल ने अपनी धर्मपत्नी पिंकी पटेल के साथ आज गणपति बप्पा का दर्शन कर उन्हें श्रद्धापूर्वक विदा किया। दमण जिला पंचायत के पूर्व प्रमुख नवीन पटेल एवं उनके परिवार द्वारा प्रगति युवक मंडल दलवाडा के बैनर तले पिछले कई वर्षों से दलवाडा में धूमधाम एवं उत्साहपूर्वक गणेश उत्सव का आयोजन किया जाता है। प्रगति युवक मंडल के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा भगवान गणेश की प्रतिमा का स्थापित कर सुबह शाम पूजा एवं आरती की जाती है। 7 दिनों तक गणपति बप्पा की विधिविधान से पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। 7वें दिन गणपति बप्पा को श्रद्धापूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर नवीन पटेल सपरिवार शामिल हुए। बडी संख्या में गणेश भक्तों ने नाचते-झूमते गणपति बप्पा मोरया के जयकारे के साथ बप्पा को विदाई दी।

डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल एवं चंद्रगिरी टंडेल ने बस स्टैंड के राजा और एकदंत ग्रुप के गणपति का लिया आशीर्वाद

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 सितंबर। डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल और डीएमसी के पूर्व काउंसिलर चंद्रगिरी टंडेल ने आज बस स्टैंड के राजा और एकदंत ग्रुप के गणपति का दर्शन किया। इस अवसर पर दीपिका टंडेल एवं चंद्रगिरी टंडेल ने भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और प्रदेश एवं देश की खुशहाली एवं समृद्धि की प्रार्थना की। गणेश उत्सव आयोजकों की ओर से दीपिका टंडेल और चंद्रगिरी टंडेल का स्वागत भी किया गया।

असली आज़ादी

सोमवार, 21 सितंबर 2026, दमण।

विदा होते मॉनसून ने बढ़ाई चिंता... देश में 15 प्रतिशत बारिश की कमी, सूखे जैसी स्थिति में 218 जिले

■ देश में 17 साल बाद भीषण सूखाः मप्र, पंजाब से बिहार और आंध्र से कर्नाटक तक खरीफ पर संकट

नई दिल्ली(ईएमएस)। इस बार देश को 17 साल में सबसे भीषणतम सूखे का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय मौसम वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया था कि देश में 10 फीसदी बारिश कम होगी, लेकिन इस वर्ष 15 फीसदी बारिश कम हुई है और 218 जिले सूखे घोषित किए गए हैं। देशभर में 13 सितंबर तक मॉनसून में 15 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। जून में यह कमी 40 प्रतिशत तक पहुंच गई थी जो जुलाई की अ प्रतिशतछी बारिश से घटकर 13 प्रतिशत रह गई। अगस्त अंत में 14 प्रतिशत और अब 15 प्रतिशत पर स्थिर है। इस सीजन में अल-नीनो का असर साफ दिख रहा है जिसने कई क्षेत्रों में बारिश को कमजोर रखा। इस सूखे का असर फसलों पर पढ़ेगा, जिससे देश में महंगाई बढ़ेगी। साथ ही इससे विकास दर भी प्रभावित होगी।

इस साल का मॉनसून देश को विदा होने से पहले बड़ा जल संकट छोड़ता नजर आ रहा है। 19 सितंबर के आसपास पश्चिमी राजस्थान से मॉनसून की वापसी शुरू होने के बीच देशभर में बारिश का घाटा 15 प्रतिशत तक पहुंच गया है। सबसे चिंता की बात यह है कि हाल के चार सप्ताह के आंकड़ों में 218 जिले सूखे जैसी स्थिति में दिखाई दे रहे हैं। कई कृषि प्रधान राज्यों में अब मॉनसून की बची-खुची बारिश से यह घाटा पूरा होने की संभावना भी कम है। मौसम विभाग के अनुसार सामान्य तौर पर मॉनसून की वापसी 17 सितंबर के आसपास शुरू होती है, लेकिन इस बार यह करीब दो दिन की देरी से शुरू होने की संभावना है। पिछले साल वापसी 14 सितंबर से शुरू हो गई थी।

जून का 40 प्रतिशत घाटा जुलाई की बारिश ने संभाला, फिर बिगड़ा हिसाब

सीजन की शुरुआत ही कमजोर रही। जून में देश में बारिश की कमी करीब 40 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। जुलाई में अच्छी बारिश से स्थिति सुधरी और घाटा घटकर 13 प्रतिशत रह गया। अगस्त के अंत में यह 14 प्रतिशत और अब 15 प्रतिशत दर्ज किया गया है। लेकिन समस्या सिर्फ राष्ट्रीय औसत की नहीं है। बारिश का वितरण बेहद असमान रहा। कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति बनी, जबकि दूसरे हिस्सों में लगातार बारिश की कमी बनी रही।

इन राज्यों में घाटा भरना मुश्किल

कई राज्यों में बारिश की कमी इतनी ज्यादा है कि सीजन खत्म होने से पहले इसकी भरपाई मुश्किल मानी जा रही है। आंध्र प्रदेशः 43 प्रतिशत कमी, अरुणाचल प्रदेश : 42 प्रतिशत, पंजाब :40 प्रतिशत, बिहार :35 प्रतिशत, कर्नाटक :29 प्रतिशत, केरल :27 प्रतिशत, तमिलनाडु : 26 प्रतिशत, राजस्थान :25 प्रतिशत, हरियाणा :23 प्रतिशत, तेलंगाना :20 प्रतिशत, मेघालय :59 प्रतिशत दक्षिण प्रायद्वीप में कुल 28 प्रतिशत और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 25 प्रतिशत बारिश की कमी दर्ज की गई है। मध्य भारत में यह घाटा 6 प्रतिशत और उत्तर-पश्चिम भारत में 10 प्रतिशत है।

315 जिलों के लिए पहले से बनाई गई थी आकस्मिक योजना

कम बारिश की आशंका को देखते हुए मॉनसून की शुरुआत में ही 315 जिलों के लिए आकस्मिक योजनाएं सक्रिय की गई थीं। इनमें 111 जिले ऐसे थे जहां सिंचाई कवरेज 25 प्रतिशत से कम होने के कारण उन्हें सबसे संवेदनशील माना गया था। 76 जिले मध्यम जोखिम और 128 जिले अपेक्षाकृत बेहतर सिंचाई वाले बताए गए थे। इन जिलों का फैलाव मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा सहित कई राज्यों में है।

खरीफ पर सबसे बड़ा दबाव

बारिश की कमी का सीधा असर खरीफ फसलों पर पड़ सकता है। धान, मक्का, कपास और दलहन जैसी फसलों को पर्याप्त पानी नहीं मिलने से उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। जिन जिलों में सिंचाई सुविधाएं सीमित हैं, वहां जोखिम और ज्यादा है। किसानों को कम अवधि और कम पानी में तैयार होने वाली फसलों की ओर जाने की सलाह दी जा रही है। आने वाले दिनों में बारिश का स्थानीय वितरण खेती के लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

वापसी से पहले कुछ इलाकों में राहत

मॉनसून की वापसी से पहले भी देश के कुछ हिस्सों में बारिश जारी रहने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में 15 से 17 सितंबर तक व्यापक बारिश हो सकती है। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में 16-17 सितंबर को बारिश की संभावना है। राजस्थान में छिटपुट और उत्तर प्रदेश में बिखरी बारिश 18 सितंबर तक हो सकती है। दक्षिण भारत में तमिलनाडु और पुडुचेरी में 20 सितंबर तक कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई गई है, जबकि केरल में 16 सितंबर तक बारिश का अनुमान है। हालांकि, इन बारिशों से स्थानीय स्तर पर राहत मिल सकती है, लेकिन देशभर में जमा 15 प्रतिशत के घाटे को पाटने के लिए अब बहुत कम समय बचा है।

बारिश खत्म होने के बाद असली परीक्षा पानी की

मॉनसून की वापसी के साथ चुनौती केवल फसल तक सीमित नहीं रहेगी। कम बारिश वाले क्षेत्रों में जलाशयों, भूजल और सिंचाई स्त्रोतों पर दबाव बढ़ सकता है। आगे चलकर पेयजल उपलब्धता, बिजली की मांग और अगली फसल की तैयारी पर भी इसका असर दिखाई दे सकता है। मॉनसून की विदाई के साथ अब सवाल बारिश का नहीं, बचे हुए पानी का है। 218 जिलों में सूखे जैसी स्थिति और कई राज्यों में 20 से 59 प्रतिशत तक बारिश की कमी आने वाले महीनों में जल प्रबंधन और कृषि प्रशासन की बड़ी परीक्षा बन सकती है।

दमण कोस्टगार्ड ने अंतर्राष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस पर देवका बीच पर चलाया व्यापक तटीय स्वच्छता अभियान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 सितंबर। अतंर्राष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस-2026 के अवसर पर तथा स्वच्छ सागर, सुरक्षित तट- यहीं पहचान हमारी, अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय तटरक्षक वायु अवस्थान दमण द्वारा स्थानीय स्वयंसेवकों के सहयोग से 19 सितंबर 2026 को देवका बीच पर व्यापक तटीय स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। प्राकृति का सौंदर्य एवं मनोरम समुद्री तट के लिए प्रसिद्ध देवका बीच इस महत्वपर्णू पर्यावरणीय पहल का केंद्र रहा। भारतीय तटरक्षक वायु अवस्थान दमण ने इस कार्यक्रम के आयोजन करते हुए भारत के तटीय पारिस्थिति की तंत्र के सरंक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। अभियान में भारतीय तटरक्षक कार्मियों और उनके परिवारों, एनसीसी कैडेट्स, कॉलेज के छात्र, कोस्टगार्ड पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों एवं स्थानीय लोगों सहित लगभग 600 उत्साहित प्रतिभागियों ने भाग लिया। अभियान का उद्देश्य समुद्री प्रदूषण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा तटीय परिस्थिति की तंत्र के सरंक्षण हेतु जिम्मेदार व्यवहार को प्रोत्साहित करना था। प्रतिभागियों ने समुद्री जीव-जंतुओं एवं तटीय पर्यावरण के लिए खतरा बनने वाले 350 किलोग्राम कचरे जिसमें प्लास्टिक कचरे, त्यागे गए मछली पकड़ने के उपकरण तथा अन्य गैर-जवै अपघटनीय कचरे को एकत्र किया। यह पहल केवल समद्रु तट की स्वच्छता तक सीमित न होकर दीर्घकालिक व्यवहार परिवर्तन, जिम्मेदार कचरा निस्तारण एवं पर्यावरण सरंक्षण की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपर्णू प्रयास रहा। साथ ही, समुद्र के समीप कार्य करते समय आवश्यक सुरक्षा उपायों के सबंधं में मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण प्रदान किया गया, जिससे अभियान सुचारु एवं सुरक्षित रूप से सपन्न हो सके। कमान अधिकारी, भारतीय तटरक्षक वायु अवस्थान दमण ने अभियान में संक्रिय सहभागिता एवं सहयोग के लिए सभी प्रतिभागियों और सबंधित हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल समुद्री पर्यावरण की सुरक्षा एवं सरंक्षण के प्रति भारतीय तटरक्षक की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है तथा समाज के विभिन्न वर्गो को पर्यावरण सरंक्षण के लिए एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। देवका बीच पर आयोजित अतंर्राष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस-2026 अभियान ने यह संदेश दिया कि सामूहिक प्रयासों से तटीय पर्यावरण के सरंक्षण में महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। यह अभियान भारतीय तटरक्षक एवं समुदाय की भारत के समुद्री तटों की स्वच्छता, सुरक्षा एवं प्राकृतिक सौंदर्य के सरंक्षण के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रभावशाली उदाहरण रहा।

सरपंच दिलीप दलवी एवं समाजसेवकों ने श्रमदान करके विद्यार्थियों की सुविधा के लिए बनाई सड़क

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 20 सितंबर। सिलवासा के वेलुगाम-धोधड़पाड़ा प्राइमरी स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए कीचड़ भरी सड़कों से स्कूल पहुंचना रोज की परेशानी बन गई थी। विद्यार्थियों की इसी परेशानी को ध्यान में रखते हुए सुरंगी पंचायत के धोधड़पाड़ा इलाके के सरपंच दिलीप दलवी और समाजसेवी युवाओं ने एक अच्छी पहल की है। 20 सितंबर की सुबह दिलीप दलवी समेत युवाओं ने स्वयं श्रमदान करके स्कूल जाने वाली सड़क और फुटपाथ की मरम्मत की। उम्मीद है कि सड़क की मरम्मत के बाद स्कूल आने-जाने वाले विद्यार्थियों को कीचड़ की परेशानी से राहत मिलेगी। स्थानीय लोगों ने बच्चों के भविष्य और सुविधा को प्राथमिकता देकर की गई इस निस्वार्थ सेवा के लिए दिलीप दलवी और सभी समाजसेवी युवाओं को धन्यवाद दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अगर समाज के लोग अपने इलाके की छोटी-बड़ी समस्याओं को हल करने के लिए आगे आएं और श्रमदान और सेवा भावना से काम करें, तो आम लोगों और खासकर छात्रों को इसका सीधा फायदा मिल सकता है।

दमण पुलिस की बड़ी कार्रवाईः अवैध शराब और वाहन जप्त, दो अलग-अलग अभियानों में तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 20 सितंबर। अवैध शराब रखने, जमाखोरी करने और अंतर-राज्यीय तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे एक कड़े अभियान के तहत दमण पुलिस ने सीमावर्ती चेकपोस्टों पर मुस्तैदी दिखाते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में इंडियन मेड फॉरेन लिकर और बियर की खेप बरामद की है, जिसकी कुल कीमत वाहनों सहित 3,89,320 रूपये आंकी गई है। पहला मामला 19 सितंबर 2026 का है, जब नानी दमण पुलिस स्टेशन के स्टाफ ने कोस्टल हाईवे पर नियमित गश्त के दौरान भेंसलोर चेकपोस्ट के पास एक संदिग्ध मारुति स्विफ्ट कार रजि. नं. जीजे-21-एएच-3633 को रोका। जब वाहन की गहन तलाशी ली गई, तो उसके भीतर छुपाकर रखी गई अवैध शराब का एक बड़ा जखीरा बरामद हुआ। पुलिस टीम ने मौके से कुल 996 बोतलें और टिन कैन जप्त किए। जिनमें रॉयल स्पेशल प्रीमियम व्हिस्की, डीएसपी ब्लैक, ब्लेंडर्स प्राइड, रॉयल स्टैग, मैकडॉवेल्स नं-1, बडवाइजर और किंगफिशर स्ट्रॉन्ग बियर शामिल हैं। जप्त की गई इस शराब की अनुमानित कीमत 88,800 रूपये है। जबकि तस्करी में इस्तेमाल की गई मारुति स्विफ्ट कार की कीमत लगभग 2,00,000 रूपये बताई जा रही है। जबकि दूसरा मामला 20 सितंबर को सामने आया, जब कोस्टल पुलिस स्टेशन, कडैया के स्टाफ ने मोटी वांकड में चेकपोस्ट के पास गश्त के दौरान एक खुले मैदान में बने बंद शेड को चिन्हित किया। पुलिस टीम द्वारा वहां की गई चेकिंग के दौरान 8 बॉक्स मिश्रित बियर और व्हिस्की बरामद की गई। इस खेप में किंगफिशर स्ट्रॉन्ग बियर, टर्बो स्ट्रॉन्ग बियर, रॉयल चैलेंज क्लासिक व्हिस्की और जॉन डिलक्स व्हिस्की शामिल थी, जिसकी कुल अनुमानित कीमत 20,520 रूपये है। इसके साथ ही पुलिस ने मौके पर मौजूद दो दोपहिया वाहन भी जप्त किए हैं। जिनमें एक एक्टिवा मोपेड नं.जीजे-15-एएम-5963 और एक हीरो होंडा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल नं.जीजे-15-एके-3514 शामिल हैं। इन दोनों वाहनों की संयुक्त कीमत लगभग 80,000 रूपये है। दमण पुलिस द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, जप्त की गई पूरी अवैध शराब और तीनों वाहनों को वैधानिक प्रावधानों के तहत आगे की औपचारिक कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग दमण को सौंप दिया गया है।

दीव में अंतर्राष्ट्रीय कोस्टल सफाई दिवस पर सफाई अभियान एवं जागरूकता रैली का आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 20 सितंबर। अंतर्राष्ट्रीय कोस्टल सफाई दिवस के मौके पर स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर कैंपेन के तहत गोमतीमाता बीच, वणाकबारा, दीव पर सफाई कैंपेन और अवेयरनेस रैली का आयोजन किया गया। नेशनल सेंटर फॉर कोस्टल रिसर्च, मिनिस्ट्री ऑफ अर्थ साइंसेज, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया की मदद से इंटरनेशनल कोस्टल क्लीनअप डे 2026 और स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर कैंपेन के मौके पर मशहूर गोमतीमाता बीच पर एक खास बीच क्लीनअप प्रोग्राम और अवेयरनेस रैली का आयोजन बड़े पैमाने पर और सफलतापूर्वक किया गया। इस प्रोग्राम में सीनियर अधिकारी और पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव खास तौर पर मौजूद थे। धर्मेश दमणिया (चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर - दीव डिस्ट्रिक्ट पंचायत एवं दीव नगरपालिका), विजय कुमार (अंडर सेक्रेटरी, MoEFCC), वी. पी. राजवेदी (अंडर सेक्रेटरी, MoEFCC), सुधीर सोंदी (इंटरनेशनल कोस्टल क्लीनअप के नेशनल लेवल कोऑर्डिनेटर), रंजीताबेन कोटिया (प्रेसिडेंट, दीव जिला पंचायत), नानजीभाई (वाइस प्रेसिडेंट, दीव जिला पंचायत) एवं उमेशभाई छगन बारिया,इंटरनेशनल कोस्टल क्लीनअप को-ऑर्डिनेटर की उपस्थिति रही। दीव डिस्ट्रिक्ट पंचायत लोकल पंचायतों और ऑर्गनाइजेशन के सभी सम्मानित सदस्यों ने इस क्लीनअप ड्राइव में जोश के साथ हिस्सा लिया। वणाकबारा और साउदवाड़ी ग्राम पंचायतों के सरपंच, ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधि, अलग-अलग सरकारी डिपार्टमेंट के ऑफिसर, पुलिस डिपार्टमेंट के स्टाफ, फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के स्टाफ, सरकारी स्कूलों के प्रिंसिपल, टीचर, अलग-अलग एसोसिएशन के प्रेसिडेंट के साथ-साथ वणाकबारा गवर्नमेंट स्कूल के स्टूडेंट्स और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। प्रोग्राम के दौरान मौजूद सभी लोगों ने गोमतीमाता बीच से प्लास्टिक, कांच और दूसरा कचरा इकट्ठा करके बीच की सफाई की। इसके साथ ही समुद्री पर्यावरण की सुरक्षा, प्लास्टिक-फ्री बीच और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के बॉयकॉट के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक प्रेरणा देने वाली रैली निकाली गई। इस प्रोग्राम के ज़रिए, समुद्री इकोसिस्टम की सुरक्षा और बीच की सफाई बनाए रखने के बारे में समाज को एक पॉजिटिव मैसेज देने की सफल कोशिश की गई।

दीव में होटल की पार्किंग में कार में युवक की मिली लाश

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 20 सितंबर। दीव में एक होटल की पार्किंग में खड़ी कार में 35 साल के युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर दीव पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, दोपहर करीब 12 बजे दीव के रिलैक्स इन होटल की पार्किंग में काफी देर से कार खड़ी देखकर होटल कर्मचारियों को शक हुआ। कर्मचारियों ने पुलिस को कार के बारे में बताया। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो कार के अंदर एक युवक बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। कार की खिड़की तोड़कर अंदर चेक करने पर युवक की लाश मिली। पुलिस की जांच के दौरान मृतक की जेब से आधार कार्ड, वॉलेट और मोबाइल फोन मिला। आधार कार्ड के आधार पर मृतक की पहचान सरधारा नितांतभाई रमेशकुमार (उम्र 35 वर्ष), निवासी जेतपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने 108 एम्बुलेंस से शव को दीव के सरकारी अस्पताल में पहुंचाया। इस बीच, मृतक के पिता के मोबाइल फोन पर कॉल आने के बाद पुलिस ने परिवार को घटना की जानकारी दी। फिलहाल यह साफ नहीं है कि युवक की मौत किन हालात में हुई। दीव पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच कर रही है।

20वें रोजगार मेले के तहत देशभर के 45 स्थानों पर 51,000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित

■ युवा शक्ति विकसित भारत के निर्माण की आधारशिला: केंद्रीय राज्य मंत्री निमुबेन बाभंणिया ■ अहमदाबाद में 942 अभ्यर्थियों को केंद्रीय सरकारी सेवाओं में नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, अहमदाबाद, 19 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज 20वें रोजगार मेले के अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर में आयोजित रोजगार मेले के कार्यक्रमों को संबोधित किया। 20वें रोजगार मेले के तहत देशभर के 45 स्थानों पर 51,000 से अधिक चयनित अभ्यर्थियों को विभिन्न केंद्रीय सरकारी विभागों एवं संगठनों में नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। अहमदाबाद में 20वें रोजगार मेले का आयोजन श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम, गुजरात यूनिवर्सिटी में किया गया। इस अवसर पर निमुबेन बाभंणिया, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, भारत सरकार ने विभिन्न केंद्रीय सरकारी विभागों में चयनित नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में दर्शना बेन वाघेला, माननीय राज्य मंत्री, शहरी विकास एवं शहरी आवास विभाग, गुजरात सरकार, हितेश बारोट, महापौर, अहमदाबाद, केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, आयकर विभाग एवं सीमा सुरक्षा बल (BSF) के अधिकारी, नवनियुक्त अभ्यर्थी और उनके परिवारजन उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री निमुबेन बाभंणिया ने कहा कि भारत के युवाओं के पास ऊर्जा, प्रतिभा, नई सोच और कुछ नया करने का साहस है। यही युवा शक्ति भारत को नई गति देने और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और युवाओं के लिए अनेक नए अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने युवाओं की प्रतिभा और सामर्थ्य को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का आह्वान किया। बाभंणिया ने कहा कि आज का युवा केवल नौकरी करने वाला युवा नहीं है, बल्कि वह स्टार्टअप स्थापित कर रहा है, नई प्रौद्योगिकी विकसित कर रहा है और नवाचार के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में देश में लगभग 500 स्टार्टअप थे, जबकि आज स्टार्टअप की संख्या 2 लाख से अधिक हो गई है। AI, रोबोटिक्स, ड्रोन, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर जैसे नए क्षेत्र युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आ रहे हैं। उन्होंने युवाओं से लगातार सीखते रहने, नई प्रौद्योगिकी से जुड़ने और अपने कौशल को निरंतर मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज उनके हाथ में नियुक्ति पत्र है और कल उनके हाथ में जिम्मेदारी होगी। सरकारी सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा और राष्ट्रसेवा का अवसर है। उन्होंने कहा कि एक सही निर्णय किसी नागरिक का जीवन आसान बना सकता है, जबकि संवेदनशीलता और ईमानदारी सरकार तथा नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत कर सकती है। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों से अपने पद को जिम्मेदारी और सेवा के अवसर के रूप में देखने तथा कार्य में ईमानदारी, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने सभी नवनियुक्त अभ्यर्थियों और उनके परिवारजनों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल सेवाकाल की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेश, वरिष्ठ अधिकारी, आयकर विभाग, अहमदाबाद ने कहा कि रोजगार मेला युवाओं को सरकारी सेवा में अवसर प्रदान करने और केंद्र सरकार के कार्यबल को मजबूत करने की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि अहमदाबाद और सूरत में आयोजित रोजगार मेले के माध्यम से आयकर विभाग में इंस्पेक्टर, ऑफिस सुपरिटेंडेंट और टैक्स असिस्टेंट सहित विभिन्न पदों पर 942 अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि रेलवे, डाक विभाग, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF), बैंकिंग क्षेत्र और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) सहित विभिन्न केंद्रीय विभागों एवं संगठनों में भी चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, विश्वास और राष्ट्र की सेवा करने का अवसर भी है। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों से ईमानदारी, निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों ने सभी नवनियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई दी और उनके सफल एवं सार्थक सेवाकाल की शुभकामनाएं दीं।

अस्मिता खेलो इंडिया रग्बी सिटी टूर्नामेंट 2026 का हुआ सफल आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 सितंबर। मोटी दमण के फुटबॉल ग्राउंड में आज अस्मिता खेलो इंडिया रग्बी सिटी टूर्नामेंट 2026 का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 150 से अधिक महिला खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बालिकाओं एवं महिलाओं में खेलों को बढ़ावा देना तथा उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर डीएमसी के पूर्व अध्यक्ष अस्पी दमणिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल खेल भविष्य की कामना की। उन्होंने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में डीआईए के पूर्व प्रमुख सत्येंद्र कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं तथा विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर फिलिया थॉमस सचिव, ओलंपिक एसोसिएशन ऑफ दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव ने कहा कि भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की अस्मिता खेलो इंडिया पहल बालिकाओं एवं महिलाओं को खेलों से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि सभी प्रतिभागियों ने सच्ची खेल भावना, दृढ़ संकल्प, साहस और विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष करने की अद्भुत क्षमता का परिचय दिया है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से महिला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा प्रतिस्पर्धात्मक खेलों का अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। कार्यक्रम के अंत में अलेक्जेंडर थॉमस ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, सभी गणमान्य व्यक्तियों, आयोजकों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों, स्वयंसेवकों एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों के प्रति आभार व्यक्त किया। अस्मिता खेलो इंडिया रग्बी सिटी टूर्नामेंट 2026 का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। इस आयोजन ने महिला खिलाड़ियों की प्रतिभा, साहस, अनुशासन एवं खेल भावना को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दमण के सरकारी स्कूलों का ब्लॉक स्तरीय रंगोत्सव आयोजित, युवा छात्रों की प्रतिभाओं का देखने को मिला जीवंत उत्सव

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 सितंबर। दमण के सरकारी प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों के लिए शिक्षा विभाग दमण ने आज दमण ब्लॉक स्तरीय रंगोत्सव 2026 का आयोजन ब्लॉक के विद्यार्थियों की प्रतिभा को एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से उत्साहपूर्वक किया गया। विद्यार्थियों को नृत्य, गायन एवं नाटक के माध्यम से अपनी रचनात्मकता एवं कलात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम का आयोजन दो श्रेणियों-कक्षा 1 से 5 तथा कक्षा 6 से 8 में किया गया। कार्यक्रम में कुल 388 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 109 प्रस्तुतियाँ दीं गई। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं कलात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में उत्साह एवं ऊर्जा का संचार हुआ तथा यह आयोजन सभी के लिए यादगार बन गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर महिमा तोमर, असिस्टेंट डायरेक्टर ऑफ एजुकेशन (एडमिन) राजेश हलपति, असिस्टेंट स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश पटेल, जिला परियोजना अधिकारी स्मिता थॉमस तथा डायट प्राचार्य इंद्रवदन पटेल के मार्गदर्शन एवं सहयोग से संपन्न हुआ। विजेता हुए छात्रों को ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। बीआरसीसी भाविनी देसाई ने कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, समन्वयकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सामूहिक प्रयासों एवं सहयोग की सराहना की।

यूटीटी प्रथम यूटी स्तरीय टेबल टेनिस रैंकिंग टूर्नामेंट का सिलवासा में सफल आयोजन

सिलवासा, 20 सितंबर 2026: दमण एवं दीव टेबल टेनिस एसोसिएशन, जो टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (ळळत्रक्ष) से मान्यता प्राप्त इकाई है, द्वारा यूटीटी प्रथम यूटी स्तरीय टेबल टेनिस रैंकिंग टूर्नामेंट का सफल आयोजन 19 एवं 20 सितंबर 2026 को सिलवासा लायंस स्कूल परिसर में किया गया।

इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में 80 से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। खिलाड़ियों ने बालक, बालिका, पुरुष एवं महिला वर्गों की कुल 12 विभिन्न श्रेणियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए रोमांचक मुकाबले प्रस्तुत किए।

दमण एवं दीव टेबल टेनिस एसोसिएशन टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया से संबद्ध है और पिछले कई वर्षों से दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव के तीनों जिलों में टेबल टेनिस खेल के प्रचार-प्रसार एवं विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इस वर्ष प्रतियोगिता का आयोजन दादरा एवं नगर हवेली टेबल टेनिस एसोसिएशन के सहयोग से किया गया, जबकि वळळ इस प्रतियोगिता का टाइटल स्पॉन्सर रहा। वळळ द्वारा क्षेत्र में टेबल टेनिस के विकास एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए दिए जा रहे निरंतर सहयोग की भी सराहना की गई।

समापन समारोह में एसोसिएशन के महासचिव श्री जयेश जोशी ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को उनके उत्साहपूर्ण प्रदर्शन के लिए बधाई दी तथा प्रत्येक श्रेणी के विजेताओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग देने के लिए दादरा एवं नगर हवेली टेबल टेनिस एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में सहयोग देने वाले सभी प्रायोजकों का भी धन्यवाद किया।

श्री जयेश जोशी ने सिलवासा लायंस स्कूल प्रबंधन का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्कूल परिसर उपलब्ध कराने से इस प्रतियोगिता के आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग मिला। उन्होंने वळळ को टाइटल स्पॉन्सर के रूप में सहयोग देने तथा इस क्षेत्र में टेबल टेनिस खेल को बढ़ावा देने के लिए निरंतर समर्थन प्रदान करने हेतु भी धन्यवाद दिया।

प्रतियोगिता में विभिन्न श्रेणियों के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं पदक प्रदान किए गए। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सभी श्रेणियों में कुल ₹40,000/- की नकद पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई।

इस प्रतियोगिता के आधार पर विभिन्न श्रेणियों से चयनित खिलाड़ी आने वाले महीनों में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव केंद्र शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। इससे स्थानीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर मिलेगा।

पूरी प्रतियोगिता का तकनीकी संचालन मुख्य रेफरी श्री पृथ्वी द्वारा किया गया, जबकि संपूर्ण तकनीकी व्यवस्था एवं मैच संचालन सीनियर टेक्निकल ऑफिशियल श्री धवल कार्णिक के मार्गदर्शन में किया गया। अधिकारियों की टीम ने सभी मुकाबलों का सुचारु एवं निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित किया।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन के साथ दमण एवं दीव टेबल टेनिस एसोसिएशन ने एक बार फिर केंद्र शासित प्रदेश में टेबल टेनिस के विकास, नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने तथा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत दीव पुलिस विभाग ने चलाया ट्रैफिक जागरूकता ड्राइव

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 20 सितंबर।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान को देखते हुए, कलेक्टिव एक्शन फॉर विजिबल इम्पैक्ट थीम पर दीव पुलिस डिपार्टमेंट ने आज दीव जिले में अलग-अलग जगहों पर ट्रैफिक अवेयरनेस ड्राइव चलाई। यह ड्राइव दीव के सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस रामकृष्ण सरन के गाइडेंस में चलाई गई। ड्राइव का मुख्य मकसद गाड़ी चलाने वालों में रोड सेफ्टी और टू-व्हीलर चलाते समय हेलमेट पहनने की इंपॉर्टेंस के बारे में अवेयरनेस फैलाना था। पुलिसवालों ने रोड यूज़र्स से बात की और उन्हें अपनी सेफ्टी के लिए हेलमेट पहनने और ट्रैफिक रूल्स फॉलो करने की एडवाइस दी। अवेयरनेस ड्राइव मेन रोड, ब्रिज सर्कल, मेन रोड, बे ओटली सर्कल, मेन रोड, मलाला सर्कल, मेन रोड, तड चेक पोस्ट के पास, मेन रोड, नागोआ ट्रैफिक ऑफिस के पास और घोघला चेक-गेट पर चलाया गया।

ड्राइव के दौरान, गाड़ी चलाने वालों को हेलमेट पहनने और सुरक्षित ड्राइविंग के तरीकों के बारे में बताया गया। कानून के मुताबिक, लागू ट्रैफिक नियमों को तोड़ने वाले लोगों के ट्रैफिक चालान भी काटे गए। दीव पुलिस सभी नागरिकों और सड़क इस्तेमाल करने वालों से हेलमेट पहनने, ट्रैफिक नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और अपनी और दूसरे सड़क इस्तेमाल करने वालों की सुरक्षा पक्का करने के लिए सुरक्षित गाड़ी चलाने की अपील करती है।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM PATEL AJAYBHAI CHHOTUBHAI / AJAYBHAI CHHOTUBHAI PATEL **TO AJAYBHAI PATEL** AS PER DOCUMENT.

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM GOHEL JYOTIBEN THOMASBHAI / JYOTI AJAYBHAI PATEL **TO JYOTIBEN GOHEL** AS PER DOCUMENT.

युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस

ललित गर्ग

मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली; अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है। युद्ध की राख से यदि शांति का संसार बनाना है तो हथियारों से अधिक विश्वास, शक्ति से अधिक संवाद और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निवेश करना होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का वास्तविक संदेश है-दुनिया को युद्ध से विराम ही नहीं, शांति को स्थायी जीवन-पद्धति बनाना होगा।

21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल-गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है-'शांति में निवेश करें-सभी के लिए, हर जगह, हर दिन।' संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन 'रोजमर्रा के शांति-निमार्ताओं' को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है।

दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम-से-कम 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए-मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति भी विश्व-शांति के लिए गंभीर चुनौती है। गाजा में संघर्ष और मानवीय संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सितंबर 2026 में भी वहां हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण नागरिकों की मौतें जारी थीं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित जीवन जी रहे थे। दूसरी ओर, फरवरी 2026 से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच

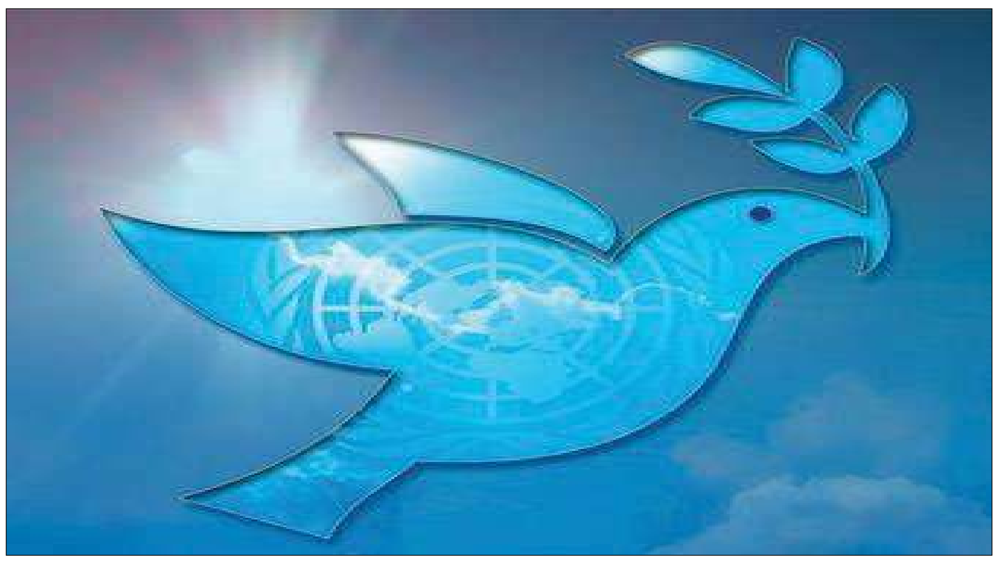

शुरू हुआ संघर्ष क्षेत्रीय तनाव को व्यापक बना चुका है। ईरान के हमलों और अमेरिकी तथा इजराइली सैन्य कार्रवाइयों ने केवल संबंधित देशों को ही नहीं, बल्कि खाड़ी क्षेत्र, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को भी प्रभावित किया है। सितंबर में भी इस युद्ध के समाप्त होने की स्पष्ट स्थिति नहीं बनी थी।

इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए शांति की चर्चा केवल सीमाओं और सेनाओं के संदर्भ में नहीं, बल्कि मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध के बीच भी मानवीय गलियारे, युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली, नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखने चाहिए। स्थायी शांति के लिए बातचीत में केवल शक्तिशाली देशों की भूमिका पर्याप्त नहीं है; क्षेत्रीय देशों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, नागरिक समाज और प्रभावित समुदायों की आवाज भी शामिल होनी चाहिए।

दूसरा रास्ता है हथियारों की दौड़ के बजाय शांति में निवेश। दुनिया सैन्य क्षमता पर जितना खर्च करती है, उसका एक हिस्सा यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जलवायु संरक्षण और संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण पर लगाया जाए तो हिंसा की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। शांति केवल युद्ध समाप्त करने से नहीं आती; गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की कमी जैसे कारणों पर काम करना भी शांति-निर्माण का हिस्सा है। तीसरा महत्वपूर्ण उपाय है विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि बहुपक्षीय संस्थाएं अधिक प्रभावी, प्रतिनिधित्वपूर्ण और जवाबदेह बनें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने 2026 के संदेश में कूटनीति, संवाद, बातचीत, शांति स्थापना, मानवाधिकार और सतत विकास में निवेश को स्थायी शांति के महत्वपूर्ण साधन बताया है।

भारत की शांति-दृष्टि भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पंचशील के सिद्धांत-एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान, आक्रामकता से परहेज, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, समानता एवं पारस्परिक लाभ तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व-अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और सह-अस्तित्व की अवधारणा को मजबूत करते हैं। महावीर का अहिंसा संदेश, बुद्ध की करुणा, गांधी का सत्य-अहिंसा दर्शन और आधुनिक भारत की शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की परंपरा दुनिया को यह स्मरण कराती है कि शक्ति का सर्वोच्च रूप विनाश नहीं, संयम और मानवीयता है। शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी भी नहीं है। घर में संवाद, विद्यालय में सहिष्णुता, समाज में भाईचारा और डिजिटल माध्यमों पर जिम्मेदार भाषा-ये सब विश्वशांति की ही छोटी इकाइयां हैं। आज सोशल मीडिया पर नफरत, झूठी सूचनाएं और उकसाने वाली भाषा सामाजिक तनाव को बढ़ाती हैं। इसलिए डिजिटल शांति भी 21वीं सदी की एक बड़ी आवश्यकता है। बच्चों और युवाओं को विवाद का उत्तर हिंसा से नहीं, तर्क, संवाद और सहानुभूति से देना सिखाना होगा। सफेद कबूतर शांति का प्रतीक जरूर है, लेकिन अब प्रतीकों से आगे बढ़कर शांति की ठोस संरचना बनाने का समय है। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति, नागरिकों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता, विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए वैश्विक सहयोग-इन सभी को समान महत्व देना होगा। आज दुनिया को यह स्वीकार करना होगा कि किसी देश की सुरक्षा दूसरे देश की असुरक्षा पर स्थायी रूप से आधारित नहीं हो सकती। किसी एक क्षेत्र का युद्ध धीरे-धीरे ऊर्जा, व्यापार, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसलिए शांति अब किसी एक राष्ट्र का विषय नहीं, पूरी मानवता का साझा हित है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम केवल युद्ध समाप्त होने की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने-अपने स्तर पर शांति की संस्कृति विकसित करें। संयुक्त राष्ट्र का 2026 का संदेश भी इसी दिशा में है-शांति सम्मेलन कक्षों में ही नहीं, बल्कि विद्यालयों, मोहल्लों, परिवारों और समाजों में भी निर्मित होती है।

मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली; अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है। युद्ध की राख से यदि शांति का संसार बनाना है तो हथियारों से अधिक विश्वास, शक्ति से अधिक संवाद और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निवेश करना होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का वास्तविक संदेश है-दुनिया को युद्ध से विराम ही नहीं, शांति को स्थायी जीवन-पद्धति बनाना होगा।

संपादकीय

देश में मोदी होना

प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की विलंबित बधाइयां..! हम उनके बेहतर स्वास्थ्य, सतत सक्रियता और दीघार्यु की दुआएं भी करते हैं। मोदी सवा 12 साल, अर्थात 4500 से अधिक दिन, से भारत के निरंतर प्रधानमंत्री हैं। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बाद प्रधानमंत्री मोदी ही हैं, जो लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बने हैं। यह हमारे सशक्त और विवेकी लोकतंत्र तथा न्यायिक जनमत की ही ताकत है। 1984-85 के लोकसभा चुनाव में जिस भाजपा के मात्र दो सांसद जीत पाए थे, राष्ट्रीय नेता अटल बिहारी वाजपेयी को पराजित होना पड़ा था, वह मई 2014 से निरंतर केंद्रीय सत्ता में है। लोकसभा में भाजपा के आज 240 सांसद हैं, 282 और 303 सांसद भी रह चुके हैं। राज्यसभा में 116 सांसद हैं और एनडीए के सांसदों को मिला कर पूर्ण बहुमत है। देश में पार्टी के कुल 1813 विधायक हैं। भाजपा-एनडीए की 22 राज्यों में सरकारें हैं और देश की करीब 78 फीसदी आबादी पर उनका शासन है। ये तथ्य आप भी जानते होंगे। हम तो प्रसंगवश प्रस्तुत कर रहे हैं, क्योंकि यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की चौतरफा स्वीकृति का दस्तावेजी यथार्थ है। बीते 12 साल का कालखंड प्रधानमंत्री मोदी का रहा है। उनके नेतृत्व में सभी पूर्वोत्तर राज्य 'भाजपामय' हैं, जो कभी कांग्रेस या क्षेत्रीय दलों के गढ़ थे। ओडिशा जैसे 'पटनायकवादी' और गैर-भाजपा राज्य में आज भाजपा का मुख्यमंत्री है। वाममोर्चे और ममता बनर्जी के जनाधार वाला राज्य, जहां कई क्षेत्र मुस्लिम-बहुल हैं, लिहाजा भाजपा-विरोधी हैं, उस पश्चिम बंगाल में 202 सीटों का ऐतिहासिक, प्रचंड जनादेश आज भाजपा के पक्ष में है। बेशक दक्षिण भारत अभी 'भाजपामय' होना शेष है। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी 'अपरंपरागत' नेता हैं। भारत गुटनिरपेक्ष, समाजवादी राजनीति और कूटनीति के झंडेबरदार देशों में लंबे समय तक रहा। कमोबेश इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री काल तक इसी सोच और कूटनीति का प्रचार किया जाता रहा, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने बहुध्रुवीय, बहुगठबंधन राजनीति की सोच दी, लिहाजा कूटनीति भी बदली। आज भारत के यूरोप, पश्चिमी देशों के साथ राजनयिक संबंध हैं, तो रूस और चीन के साथ भी भारत कई संगठनों, शिखर सम्मेलनों का सदस्य है। मुस्लिम-अरब बहुल के देश भी भारत के 'मित्र' हैं। जी-20 में 'ग्लोबल साउथ' की आवाज के तौर पर अफ्रीकी देशों को शामिल करने के मेजबान प्रधानमंत्री मोदी के सफल प्रयास के मद्देनजर अफ्रीकी देश भारत को अपना 'अंतरंग हमदर्द' मानते हैं। शायद कूटनीति की व्यापकता और विविधता के कारण ही 37 देश अपने 'सर्वोच्च सम्मान' से प्रधानमंत्री मोदी और उनके जरिए भारत को विभूषित कर चुके हैं। यह भारतीय प्रधानमंत्री का 'विश्व-कीर्तिमान' है।

प्रधानमंत्री मोदी की अंतरराष्ट्रीय रेटिंग भी 68-71 फीसदी आंकी गई है, जो सर्वाधिक है। सभी विश्व नेताओं की औसत रेटिंग 50 फीसदी से कम है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप तो 'रसातल' में हैं। प्रधानमंत्री मोदी 'अपरंपरागत' इसलिए हैं कि उन्होंने लालकिले से 15 अगस्त के संबोधन में 'देवालय' से पहले 'शौचालय' को अहम करार दिया था और फिर यह राष्ट्रीय योजना बनाई थी। ऐसा कहने और करने वाले मोदी एकमात्र प्रधानमंत्री हैं। आज देश में करीब 12 करोड़ 'पारिवारिक शौचालय' हैं। यह बयान खुद प्रधानमंत्री और गृहमंत्री दे चुके हैं। अब शौचालय स्वच्छता के साथ-साथ सामाजिक, पारिवारिक और महिला की प्रतिष्ठा के प्रतीक बन चुके हैं। 'जन-धन खाता', 'मुद्रा' योजना, 'उज्जवला' योजना और 81 करोड़ से अधिक भारतीयों को 'मुफ्त राशन' आदि सभी परंपरागत लीक से हट कर योजनाएं हैं। बहरहाल प्रधानमंत्री के संदर्भ में एक राजनीतिक जुमला उछाला जाता रहा है-'मोदी है तो मुमकिन है।' हमारा विश्लेषण यह मानता है-'मोदी होना आसान नहीं।' प्रधानमंत्री मोदी भी इनसान हैं, लिहाजा उनमें भी मानवीय विरोधाभास और खामियां हैं। वह 'अतिमानव' नहीं हैं और न ही ऐसा चरित्र-चित्रण करना चाहिए। भाजपा के शीर्षस्थ नेता रहे लालकृष्ण आडवाणी कहा करते थे कि नरेंद्र मोदी सबसे अधिक 'आलोचित' नेता हैं। हमारा मानना है कि यह आलोचना नफरत की हद तक है। लोकतंत्र में यह स्वीकार्य नहीं है, लिहाजा बार-बार चुनावी जनादेश नफरतबाजों के खिलाफ जाता है। हमने भी देश में स्कूल, शिक्षा, अध्यापक, बेरोजगारी, गरीबी, अर्थव्यवस्था, आर्थिक असमानता आदि को लेकर प्रधानमंत्री से सवाल किए हैं। यही लोकतंत्र है, लिहाजा प्रधानमंत्री का लगातार विश्लेषण किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को युवाओं को रोजगार दिलाने में प्रभावी भूमिका निभानी होगी। यह भी सत्य है कि सभी युवाओं को सरकारी नौकरियां नहीं दी जा सकती। इसलिए निजी क्षेत्र को इस तरह विकसित करना होगा कि वहां युवाओं के लिए पर्याप्त संख्या में रोजगार पैदा हो। स्वरोजगार की दिशा में सरकार ने अनेक पग उठाए हैं, लेकिन बेरोजगारी की समस्या अभी पूरी तरह हल नहीं हो पाई है। इसलिए फोकस बड़ी संख्या में रोजगार पैदा करने पर होना चाहिए।

छात्रों में भाजपा का बढ़ता दबदबा: बिखर गया छद्म आंदोलनों का ताना-बाना?

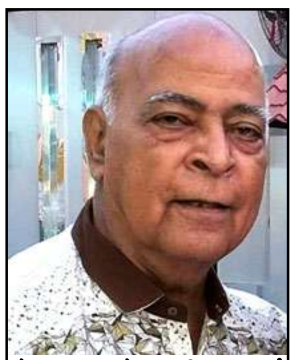

लेखक : अशोक भाटिया, वसई

भारत के विश्वविद्यालय केवल शैक्षणिक डिग्रियां बांटने वाले संस्थान नहीं रहे हैं, बल्कि वे देश की राजनीतिक चेतना को दिशा देने वाले वैचारिक ऊर्जा-केंद्र रहे हैं। देश की स्वतंत्रता के संघर्ष से लेकर आपातकाल के विरोध और सामाजिक न्याय के आंदोलनों तक, परिसरों की हलचल ने हमेशा राष्ट्रीय राजनीति का मार्ग प्रशस्त किया है। परंतु, हाल के वर्षों में भारतीय छात्र राजनीति के भीतर जो बुनियादी और ढांचागत बदलाव आया है, वह आधुनिक भारत के राजनीतिक इतिहास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अध्याय है। दशकों तक जिन विश्वविद्यालयों पर वाम-उदारवादी और पारंपरिक विपक्षी विचारधाराओं का एकाधिकार माना जाता था, आज वहां भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी विचारधारा और उसके छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का दबदबा न केवल संगठनात्मक रूप से स्थापित हुआ है, बल्कि विमर्श के धरातल पर भी उसने केंद्रीय स्थान प्राप्त कर लिया है।

इस बदलाव के सबसे जीवंत प्रतीक और साक्षी देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के परिसर बने हैं। दिल्ली की छात्र राजनीति का मिजाज हमेशा से देश की मुख्यधारा की सत्ता का लिटमस टेस्ट रहा है। हाल ही में संपन्न हुए दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के नतीजों ने इस वैचारिक बदलाव पर एक बार फिर मुहर लगा दी है, जहां अइश्ढ ने केंद्रीय पैनल के तीन प्रमुख पदों–अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव–पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है अध्यक्ष पद पर यश डाबास की यह शानदार विजय केवल एक छात्र संगठन की जीत नहीं है, बल्कि यह दिल्ली के उस व्यापक राजनीतिक बदलाव की गूंज है, जिसने परिसरों में वाम-उदारवादी और विपक्षी छात्र विमर्शों के ताने-बाने को पूरी तरह बिखेर कर रख दिया है। यह वैचारिक कायाकल्प और पुराने आंदोलनों का बिखराव चुनावी प्रभाव से कहीं आगे बढ़कर, भारतीय छात्र के मानस, उसकी प्राथमिकताओं और राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति उसके दृष्टिकोण में आए गहरे बदलाव की कहानी कहता है।

दिल्ली की राजनीति और यहाँ के शिक्षण संस्थानों के बीच का अंतर्संबंध हमेशा से बहुत गहरा रहा है। मुख्यधारा की राजनीति में राष्ट्रीय विमर्शों के केंद्र में आने के बाद, दिल्ली के युवा वोटर का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। कांग्रेस समर्थित ठरवक और वामपंथी छात्र संगठनों (अक्सअ-रत्रक्ष) ने लंबे समय तक यह प्रचारित करने का प्रयास किया कि देश का युवा मौजूदा व्यवस्था से पूरी तरह विमुख हो चुका है। वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले विभिन्न विरोध प्रदर्शनों और तात्कालिक आंदोलनों के सहारे परिसरों में एक तीखा सरकार-विरोधी नैरेटिव खड़ा करने की कोशिश कर रहे थे।लेकिन जब डूसू के ताजा चुनावी नतीजे सामने आए, तो विपक्ष का यह दावा पूरी तरह खोखला साबित हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय के 'जेन-जी' और जागरूक युवा छात्रों ने नकारात्मकता और अनवरत विरोध की राजनीति को पूरी तरह खारिज कर दिया। राष्ट्रीय राजधानी के इन युवा मतदाताओं ने 'राष्ट्र-प्रथम' और सकारात्मक राष्ट्रवाद के विचार पर अपना भारी भरोसा जताया है।

राष्ट्रवादी विचारकों का मानना है कि इन आंदोलनों का बिखराव इसलिए हुआ क्योंकि इन्होंने अपनी 'साख' खो दी। छात्रों को यह समझने में देर नहीं लगी कि जिस आंदोलन को छात्र-कल्याण का नाम दिया जा रहा था, उसके पीछे देश की मुख्यधारा के कुछ खास राजनीतिक दलों का एजेंडा काम कर रहा था। जब छात्र आंदोलन स्वतःस्फूर्त न रहकर 'प्रायोजित' और राजनीतिक बैसाखियों पर टिके दिखने लगे, तो उनका नैतिक आधार समाप्त हो गया। कोई भी आंदोलन तब तक जीवित नहीं रह सकता जब तक आम छात्र उसे पवित्र और न्यायसंगत न मानें। जब आंदोलनों से देशहित का तत्व गायब हुआ, तो उनका ताना-बाना बिखरना तय था।

इस पूरे परिदृश्य में मुख्यधारा के विपक्षी दलों और उनके छात्र संगठनों की भूमिका भी आत्मघाती रही। विपक्ष लंबे समय तक दिशाहीनता का शिकार रहा। परिसरों में जब भी कोई स्थानीय या शैक्षणिक मुद्दा उठा–चाहे वह फीस वृद्धि का हो या प्रशासनिक विसंगतियों का–विपक्ष ने उसे तुरंत राष्ट्रीय स्तर पर सरकार को उखाड़ फेंकने के एक बड़े राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश की। परिणाम यह हुआ कि वास्तविक छात्र मुद्दे राजनीतिक नूराकुश्ती की भेंट चढ़ गए।

यदि हम केवल एक पक्ष को देखकर निष्कर्ष न निकालें। यदि वैचारिक और चुनावी स्तर पर भाजपा समर्थित संगठन परिसरों में अग्रिम मोर्चे पर दिखते हैं, तो इसका यह अर्थ कतई नहीं है कि युवा पूरी तरह संतुष्ट हैं या परिसरों में कोई समस्या नहीं है। राष्ट्रवाद की इस लहर के नीचे आर्थिक और प्रशासनिक मोर्चे पर युवाओं के भीतर एक गहरी, शांत लेकिन तीव्र अंतर्धारा भी बह रही है।हाल के वर्षों में देश ने राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक के गंभीर संकटों को देखा है। इन घटनाओं ने दिल्ली और देश भर के उन करोड़ों मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के छात्रों के भरोसे को तोड़ा है जो रात-दिन एक करके सरकारी नौकरियों या प्रतिष्ठित संस्थानों में दाखिले की तैयारी करते हैं। जब प्रशासनिक विफलताओं के कारण युवाओं का भविष्य अधर में लटकता है, तो उनका गुस्सा किसी विचारधारा या दल की सीमा को नहीं मानता। इसके साथ ही, दिल्ली जैसे महंगे शहर में शिक्षा की बढ़ती लागत, हॉस्टल की कमी और सम्मानजनक रोजगार का अभाव ऐसे ज्वलंत मुद्दे हैं जो सरकार के तमाम दावों के सामने एक बड़ा प्रश्नचिह्न बनकर खड़े रहते हैं।

गौरतलब है कि दिल्ली के परिसरों और छात्र राजनीति में भाजपा और उसकी वैचारिक सहयात्रियों का बढ़ता दबदबा कोई तात्कालिक या सतही घटना नहीं है। इसके पीछे एक दशक की निरंतर वैचारिक मेहनत, राष्ट्रवाद का एक ठोस-आकर्षक नैरेटिव और विपक्ष की रणनीतिक विफलताएं हैं। पुराने आंदोलनों का ताना-बाना इसलिए बिखरा क्योंकि वे समय की नब्ज को नहीं पहचान सके, उन्होंने राष्ट्रीय संवेदनाओं की अनदेखी की और वे आम छात्रों की व्यावहारिक प्राथमिकताओं से कट गए।

परंतु, सत्ता पक्ष के लिए भी यह समय आत्ममुग्ध होने का नहीं है। वैचारिक और सांस्कृतिक मुद्दे युवाओं को एक सीमा तक जोड़ सकते हैं, लेकिन अंततः युवा मन अपनी व्यावहारिक समस्याओं का ठोस समाधान चाहता है। दिल्ली विश्वविद्यालय से लेकर जेएनयू तक का छात्र अब यह देखना चाहेगा कि जो वादे चुनाव के समय किए गए थे, वे धरातल पर कितने उतरते हैं। पेपर लीक मुक्त परीक्षा प्रणाली, पारदर्शी चयन प्रक्रिया, गुणवत्तापूर्ण और सस्ती शिक्षा, और सबसे महत्वपूर्ण–सम्मानजनक रोजगार के अवसर; ये वे बुनियादी जरूरतें हैं जिन पर आने वाले समय में देश की छात्र राजनीति की वास्तविक दिशा तय होगी। दिल्ली के हालिया कैंपस नतीजों ने एक नई लकीर खींच दी है, अब यह देखना दिलचस्प होगा कि विपक्ष इस नई हकीकत से क्या सबक लेता है।

हिन्दी संवाद की भाषा, विवाद की नहीं

सुरेश हिंदुस्तानी

देश में भाषा के नाम पर उत्तर और दक्षिण के राज्यों में भेद पैदा करने का दुस्साहस लम्बे समय से चल रहा है। इसमें तथ्यात्मक पहलू यह है कि ऐसा खेल राजनीति के संरक्षण में होता है। दक्षिण के राज्यों में हिन्दी के प्रति जिस प्रकार से अलगाव के बीज बोने की कवायद की जाती है, उसे प्रथम दृष्टि में एक दूसरे को लड़ाने की योजना का हिस्सा ही मानना चाहिए, क्योंकि सांस्कृतिक दृष्टि से पूरा भारत एक है। इस संस्कृति को बनाने में भारतीय भाषाओं का योगदान भी प्रमुख है। भारत की सभी भाषाएं हमारी संस्कृति का अटूट हिस्सा हैं। चाहे वह बड़े भूभाग में बोले जाने वाली हो या फिर किसी राज्य की भाषा ही क्यों न हो। सब महत्वपूर्ण हैं।

अभी हाल ही में हिंदी को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को सीधे शब्दों में कहा है कि हिंदी के प्रति सोच को बदलना चाहिए। इसके निहितार्थ यही हैं कि हिन्दी देश के बहुत बड़े क्षेत्र में बोली जाती है। इसलिए दक्षिण के राज्यों में इसके प्रति सकारात्मक भाव होना चाहिए। वैसे भी आम जनमानस में यह भाव दिखाई भी देता है।

भारत की पहचान उसकी भाषायी विविधता में है। यहां भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जीवनानुभव, संस्कृति और संवेदना की वाहक है। कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से अरुणाचल तक बदलती बोलियां और भाषाएं भारत की आत्मा को अनेक स्वरों में व्यक्त करती हैं। यही बहुस्वरता हमारी विशिष्टता है। इसलिए किसी एक भारतीय भाषा का विस्तार दूसरी भाषा के लिए संकुचन नहीं, बल्कि पूरे भारतीय भाषायी संसार का विस्तार है। हिन्दी इसी व्यापक भाषायी परिवार की एक सशक्त कड़ी है। उसका स्वभाव संवाद का है। वह जहां पहुंचती है, वहां केवल शब्द नहीं ले जाती, लोगों से जुड़ने का एक सहज माध्यम भी बनाती है। देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोग जब अपनी-अपनी मातृभाषाओं के साथ हिन्दी के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ते हैं, तो उनके बीच दूरी घटती है और परिचय बढ़ता है। एकात्म भाव का जागरण होता है।

हिन्दी की व्यापकता का आधार केवल उसका भाषायी भूगोल नहीं है। रोजगार, शिक्षा, व्यापार, पर्यटन, सिनेमा, साहित्य और संचार के अनेक माध्यमों ने उसे देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाया है। दक्षिण भारत में भी हिन्दी समझने और बोलने वाले लोगों की संख्या कम नहीं है। वहां हिन्दी के अध्ययन और अध्यापन के लिए वर्षों से संस्थाएं सक्रिय रही हैं। अनेक विद्यार्थी हिन्दी सीखते हैं, साहित्य पढ़ते हैं और देश के दूसरे हिस्सों के लोगों से संवाद में उसका उपयोग करते हैं। यह अपनी भाषा में जड़ें मजबूत रखते हुए दूसरी भारतीय भाषाओं से परिचित होना दृष्टि को विस्तृत करता है। एक भाषा हमें अपनी मिट्टी से जोड़ती है, दूसरी हमें दूसरे प्रदेश की मिट्टी की गंध समझने का अवसर देती है। अनेक भाषाओं का ज्ञान अनेक संसारों से परिचय है। भारत में हिन्दी के प्रति आत्मीयता रखने वाले समाजों ने कभी तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, मराठी या असमिया जैसी भाषाओं के अस्तित्व को चुनौती नहीं माना। दक्षिण की भाषाएं उत्तर के लिए उतनी ही अपनी हैं, जितनी उत्तर की भाषाएं दक्षिण के लिए। तुलसी, कबीर और प्रेमचंद को पढ़ने वाला पाठक जब सुब्रमण्यम भारती, तिरुवल्लुवर या कुवेम्पु की रचनाओं तक पहुंचता है, तो वह भारत को थोड़ा और गहराई से जानता है। इसीलिए भाषा को अवसर की तरह देखना आवश्यक है। किसी बच्चे को हिन्दी सीखने का अवसर मिलता है तो उसके सामने देश के एक बड़े भूभाग, व्यापक साहित्य और असंख्य लोगों से जुड़ने का एक और द्वार खुलता है। इसी प्रकार हिन्दीभाषी समाज जब तमिल, तेलुगु, कन्नड़ या मलयालम के शब्द सीखता है, तो भारत की सांस्कृतिक समृद्धि उसके लिए और विस्तृत हो जाती है।

हम यह भली भांति जानते हैं कि भारत के दक्षिणी राज्यों में कई बार हिन्दी के कार्यक्रम सफलता पूर्वक हुए हैं। शिक्षा संस्थानों में भी हिन्दी के प्रति अनुराग बढ़ता जा रहा है। लेकिन इसका तात्पर्य यह कतई नहीं है कि अन्य भाषाओं के उपेक्षा का भाव है। राजनीतिक दल इसे हिन्दी थोपने के रूप में प्रचारित करके जनता को केवल भ्रमित करने का काम करते हैं। शिक्षा संस्थानों में बच्चों के सामने जितनी अधिक भाषाओं और ज्ञान के द्वार खुलेंगे, उनका संसार उतना ही विस्तृत होगा। इस सकारात्मक अभियान को जब मजबूत दिशा मिलेगी, तो स्वाभाविक रूप से भारत का भारत की भाषाएं एक ही सांस्कृतिक चेतना की अलग-अलग अभिव्यक्तियां हैं। एक भाषा का समृद्ध होना दूसरी भाषा के लिए खतरा नहीं, अनेक भाषाओं का साथ-साथ समृद्ध होना भारत की सामूहिक शक्ति है। आज जब संचार के साधनों ने देश को पहले से कहीं अधिक निकट ला दिया है, तब भाषा की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। देश के एक कोने में बैठा व्यक्ति दूसरे कोने में रहने वाले व्यक्ति से सहज संवाद कर सके, उसके विचार समझ सके, उसकी संस्कृति को जान सके, यही भाषायी समृद्धि का वास्तविक उद्देश्य है। हिन्दी इस संवाद में एक सेतु की भूमिका निभा सकती है, लेकिन उस सेतु की सुंदरता तभी है जब उसके दोनों ओर भारत की अपनी विविध भाषाएं सुरक्षित, सम्मानित और जीवंत रहें।

भारत को एक-दूसरे को समझने की संस्कृति की आवश्यकता है। हमारी भाषायी विविधता उस संस्कृति की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति है। हिन्दी उस विविधता में अपना स्वर जोड़ती है और दूसरी भारतीय भाषाएं उसके स्वर को और समृद्ध करती हैं। इसलिए हिन्दी को लेकर दृष्टि संवाद की होनी चाहिए, विवाद की नहीं। हिन्दी जितनी अधिक भारतीय भाषाओं से जुड़ेगी, उतनी ही अधिक भारतीय बनेगी। और भारत जितनी भाषाओं में स्वयं को अभिव्यक्त करेगा, उसकी आत्मा उतनी ही समृद्ध सुनाई देगी। हिन्दी संवाद की भाषा है और भारत की विविध भाषाएं उस संवाद का विस्तार हैं। यही विविधता भारत की शक्ति है, यही उसकी पहचान और यही उसकी सांस्कृतिक सुंदरता है।

असली आज़ादी

सोमवार, 21 सितंबर 2026, दमण।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन में 'कार्पेथियन एट' शिखर सम्मेलन: जेलेंस्की ने 7 देशों के नेताओं की मेजबानी की, सहयोग बढ़ाने पर जोर

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को पश्चिमी यूक्रेन में सात क्षेत्रीय देशों के नेताओं और प्रतिनिधियों के साथ 'कार्पेथियन एट' शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। बैठक का उद्देश्य आपसी सहयोग को और मजबूत करना है। इसमें यूक्रेन, रोमानिया, सर्बिया, पोलैंड, स्लोवाकिया, चेक गणराज्य, ऑस्ट्रिया और हंगरी शामिल हैं। यूरोपीय संघ भी इसमें शामिल है। जेलेंस्की ने कहा कि देश सुरक्षा, ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, सीमा-पार आर्थिक संबंधों और स्थानीय समुदायों के समर्थन पर मिलकर काम करेंगे। यह बैठक ऐसे समय हुई जब यूक्रेन के कई क्षेत्रों में रातभर रूसी हमलों से आग लगी और लोगों की मौत तथा कई लोग घायल हुए। झिटोमिर क्षेत्र में दो लोगों की मौत और दो घायल हुए। खार्किव क्षेत्र में एक इलेक्ट्रिक ट्रेन पर हमले में एक व्यक्ति की मौत और छह घायल हुए। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन को यूरोपीय संघ से करीब 3.8 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता भी मिली है।

अमेरिका: मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वेनेजुएला की राष्ट्रपति से पहली बार मिलेंगे ट्रंप, न्यूयॉर्क में होगी बैठक

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से पहली बार मुलाकात करेंगे। ट्रंप प्रशासन ने देश के पूर्व नेता को पकड़ने और रोड्रिगेज को असल में सत्ता सौंपने के लिए एक ऑपरेशन चलाया था, जिसके बाद यह मुलाकात हो रही है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने कहा कि न्यूयॉर्क शहर में दोनों नेताओं के बीच होने वाली मुलाकात एक पुल-असाइड होगी।(यह कूटनीतिक भाषा में ऐसी मुलाकात को कहते हैं जो औपचारिक द्विपक्षीय बैठक की तुलना में ज्यादा अनौपचारिक होती है। बता दें कि ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना सत्र के लिए शहर में होंगे।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप का नया दांव: कब्जे की धमकी के बाद डेनमार्क से समझौता, बढ़ेगी अमेरिकी सैन्य मौजूदगी?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एलान किया कि अमेरिका और डेनमार्क के बीच ग्रीनलैंड में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने को लेकर समझौता हो गया है। खास बात यह है कि इस समझौते के बावजूद ग्रीनलैंड डेनमार्क के अधीन ही रहेगा। ट्रंप ने पिछले कई महीनों से इस द्वीप को अमेरिका के नियंत्रण में लेने की बात कही थी और सैन्य बल के इस्तेमाल की संभावना से भी इनकार नहीं किया था। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि समझौता ग्रीनलैंड की सुरक्षा और अमेरिका की दूसरी जरूरतों पर उसे स्थायी नियंत्रण देता है। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन ग्रीनलैंड में बड़ी अमेरिकी सैन्य मौजूदगी विकसित करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करेगा। ग्रीनलैंड खनिज संसाधनों से समृद्ध है और आर्कटिक में इसकी रणनीतिक स्थिति इसे अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण बनाती है।

पाकिस्तान के मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट के संस्थापक के लंदन स्थित घर में घुसे 2 नकाबपोश, हत्या की कोशिश का दावा

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट यानी एमक्यूएम के संस्थापक अल्ताफ हुसैन से जुड़ी बड़ी खबर है। लंदन में एमक्यूएम संस्थापक अल्ताफ हुसैन के घर में 2 नकाबपोश लोगों के घुसने की कोशिश का दावा किया गया है। एमक्यूएम की ओर से सीसीटीवी फुटेज जारी कर कहा गया है कि दो नकाबपोश लोगों ने अल्ताफ हुसैन के लंदन स्थित घर में घुसने की कोशिश की। पार्टी ने इस घटना को हत्या की कोशिश बताया है। एमक्यूएम नेता मुस्तफा अजीजाबादी ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि हमलावर ट्रेंड थे और यह हमला अल्ताफ हुसैन की हत्या की कोशिश हो सकता है। उन्होंने कहा कि अल्ताफ हुसैन की सुरक्षा के लिए ब्रिटेन सरकार को मामले का संज्ञान लेना चाहिए और उन्हें सुरक्षा मुहैया करानी चाहिए। एमक्यूएम की ओर से साझा किए गए सीसीटीवी फुटेज में कथित तौर पर दो नकाबपोश लोग घर में प्रवेश करने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। पार्टी का दावा है कि इस घटना के दौरान अल्ताफ हुसैन को कोई नुकसान नहीं हुआ और उनकी जान अल्लाह की रहमत और लोगों की दुआओं से बची। अल्ताफ हुसैन पाकिस्तान की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट यानी एमक्यूएम के संस्थापक हैं। उनके माता-पिता विभाजन के बाद भारत से पाकिस्तान चले गए थे।

जिनपिंग के दौरे की तैयारी: ट्रंप एयरपोर्ट पर करेंगे स्वागत; किन मुद्दों पर होगी बात, क्या व्यापार तनाव घटेगा?

वाशिंगटन, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले हफ्ते अमेरिका आएंगे। यह एक दशक से ज्यादा समय बाद चीन के किसी नेता की पहली राजकीय यात्रा होगी। शी वाशिंगटन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। दोनों नेता व्हाइट हाउस में अहम मुद्दों पर बातचीत करेंगे। इसके साथ ही दोनों के बीच अनौपचारिक बातचीत भी होगी। शी का विमान बुधवार को वाशिंगटन के बाहर स्थित ज्वाइंट बेस एंड्रयूज पहुंचेगा। ट्रंप खुद एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने मौजूद रहेंगे। वरिष्ठ अमेरिकी प्रशासनिक अधिकारियों ने पत्रकारों को यह जानकारी दी। आमतौर पर ट्रंप विदेशी नेताओं से व्हाइट हाउस में मिलते हैं। इसलिए एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करना असामान्य है। शी की यात्रा का मुख्य कार्यक्रम गुरुवार को होगा। ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, शी और उनकी पत्नी पेंग लियुआन का स्वागत करेंगे। इसके लिए व्हाइट हाउस के स्टेट फ्लोर पर एक स्वागत समारोह होगा। यह समारोह घर के अंदर आयोजित किया जाएगा।

इसके बाद ट्रंप और शी रोज गार्डन में सैनिकों का निरीक्षण करेंगे। फिर दोनों नेता बंद कमरे में बातचीत करेंगे। इस बातचीत में दोनों देशों के अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। मेलानिया ट्रंप और पेंग लियुआन का अलग कार्यक्रम होगा। उधर उनके पति दोनों देशों के कामकाज से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करेंगे। अधिकारियों ने

शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में इसकी ज्यादा जानकारी नहीं दी। गुरुवार को शी और उनकी पत्नी राजकीय रात्रिभोज में मेहमान होंगे। ट्रंप और प्रथम महिला इस रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। यह रात्रिभोज व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में होगा। ट्रंप ने कहा कि हर कोई इस रात्रिभोज में शामिल होना चाहता है। दोनों नेता इस मौके पर भाषण भी देंगे।

रात्रिभोज पर कौन-कौन मेहमान होंगे शामिल : ट्रंप ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा कि हजारों लोग इस रात्रिभोज में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि व्हाइट हाउस में बनाया जा रहा 1,000 लोगों की क्षमता वाला नया बॉलरूम अभी तैयार नहीं है। इस वजह से यह कार्यक्रम वहां नहीं हो सकेगा। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने कई बहुत अच्छे दोस्तों से कह दिया है कि वे इस कार्यक्रम में नहीं आ सकते। व्हाइट हाउस ने रात्रिभोज में आने वाले कुछ लोगों के नाम बताए लेकिन ट्रंप के तकनीकी क्षेत्र से जुड़े कुछ दोस्तों को रात्रिभोज में आमंत्रित किया गया है। व्हाइट हाउस के अनुसार, रात्रिभोज में शामिल होने वाले लोगों में अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस भी हैं। टेस्ला और स्पेसएक्स के एलन मस्क भी शामिल होंगे। गूगल के सुंदर पिचाई भी मेहमानों की सूची में हैं। डेल टेक्नोलॉजीज के सीईओ माइकल डेल भी इसमें शामिल होंगे। सूची में एनवीडिया के जेंसन हुआंग, ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, सिटीग्रुप की सीईओ जेन फ्रेजर भी आएंगी। एपल के सीईओ पद से हाल ही में हटे टिम कुक भी मेहमान पेंग लियुआन फिर व्हाइट हाउस आएंगे। अगले शुक्रवार को शी और पेंग लियुआन फिर व्हाइट हाउस आएंगे। वे ट्रंप दंपती के साथ निजी चाय कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद ट्रंप दंपती उन्हें नेशनल आर्काइव्स का दौरा कराएंगे। यहां अमेरिका के इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पुराने दस्तावेज रखे हैं। अमेरिका अपनी 250वीं वर्षगांठ मना रहा है।

क्या टैरिफ पर दोनों देशों के बीच बनेगी बात : दौरे के बाद शी ज्वाइंट बेस एंड्र्यूज जाएंगे। यात्रा के दूसरे अहम मुद्दों पर भी अमेरिकी अधिकारियों ने जानकारी दी। इनमें टैरिफ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और दुर्लभ खनिज शामिल हैं। अमेरिका और चीन कुछ गैर-जरूरी सामान पर टैरिफ कम कर सकते हैं। इससे दोनों देशों को फायदा हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। उनके अनुसार, यह कदम कुछ सीमित सामानों पर लागू हो सकता है। इससे दोनों देशों को फायदा हो सकता है। अधिकारियों ने अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने उनके लिए ऐसी शर्तें तय की थीं।

क्या दुर्लभ खनिज पर अमेरिका देगा कोई राहत: हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका अभी अपने निर्यात नियंत्रण में ढील देने के लिए तैयार नहीं है। इसका मतलब है कि दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर अमेरिकी नियंत्रण में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि चीन की ओर से इन खनिजों की पर्याप्त और स्वीकार्य आपूर्ति बनाए रखने पर चर्चा होगी। लेकिन अमेरिका के निर्यात नियंत्रण कम करने के बदले चीन की ओर से कुछ देने जैसा कोई समझौता होने की संभावना कम है।

इस्राइली राष्ट्रपति ने की अहमदिया मुसलमानों की तारीफ

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने अहमदिया मुसलमानों की सराहना की। उन्होंने उन्हें 'साथ मिलकर जीवन जीने, सहनशीलता और सम्मान' का उदाहरण बताया। हर्जोग ने यह बात हाइफा में अहमदिया समुदाय के वार्षिक सम्मेलन में कही। इस सम्मेलन में अलग-अलग समुदायों के धर्मगुरू शामिल हुए। इसमें शिक्षाविद और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग भी मौजूद थे।

जलसा सालाना में क्या चर्चा हुई : अहमदिया समुदाय का 29वां वार्षिक सम्मेलन इस सप्ताह हाइफा में हुआ। इसे 'जलसा सालाना' कहा जाता है। इस सम्मेलन में मदीना के ऐतिहासिक संविधान पर चर्चा हुई। इसमें चर्चा की गई कि यह संविधान आज साझा नागरिकता के बारे में क्या सीख दे सकता है। अलग-अलग समुदायों के बीच संबंधों पर भी चर्चा हुई। आपसी जिम्मेदारी पर भी विचार किया गया। शांति बनाने में धर्म की भूमिका पर भी चर्चा हुई।

कार्यक्रम में कौन-कौन मौजूद रहे : हर्जोग ने गुरुवार को सम्मेलन में हिस्सा लिया। उनके साथ हाइफा के मेयर योना याहव भी थे। सम्मेलन में धर्मगुरू, शिक्षाविद और इस्राइली संसद यानी नेसेट के सदस्य भी शामिल हुए। हाइफा के पूर्व मेयर भी मौजूद थे। प्रमुख सांस्कृतिक और सामाजिक हस्तियां भी सम्मेलन में आईं। राजनयिक भी इसमें शामिल हुए। इनमें भारतीय राजदूत जेपी सिंह भी मौजूद थे। कई अन्य देशों से आए मेहमानों ने भी इस अहम सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस्राइली राष्ट्रपति ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कार्यक्रम के बारे में पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि अगर दुनिया के ज्यादा लोग इस सभा को देख पाते और इस्राइली समाज का यह चेहरा भी जान पाते, तो अच्छा होता। हर्जोग ने अहमदिया समुदाय के नेता अमीर मुहम्मद शरीफ ओदेह का भी धन्यवाद किया। उन्होंने गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए उनका आभार जताया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए हर्जोग ने अलग-अलग धर्मों के लोगों के बीच बातचीत की अहमियत पर जोर दिया।

अहमदिया समुदाय की तारीफ की : उन्होंने अहमदिया मुस्लिम समुदाय के शांति और सहनशीलता के विचारों की तारीफ की। उन्होंने यहूदी और मुस्लिम लोगों के बीच बातचीत बढ़ाने में समुदाय के योगदान की भी सराहना की। पश्चिम एशिया में यहूदी और मुस्लिम लोगों के बीच बातचीत का जिक्र करते हुए हर्जोग ने कहा कि अहमदिया समुदाय सम्मान और हिम्मत के साथ बातचीत का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि ऐसी बातचीत मतभेदों को स्वीकार करती है। साथ ही, यह लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का काम करती है। भारतीय मूल के ईकान अहमद शम्स भी सम्मेलन में शामिल हुए। उनके पिता शम्सुद्दीन दो दशक से ज्यादा समय पहले भारत से इस्राइल आए थे। वह समुदाय के इमाम हैं।

सऊदी अरब और हूतियों में बढ़ा तनाव?: रियाद में फिर सुनी गई धमाकों की आवाज, यमन में भी हुए हमले

रियाद , एजेंसी। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में शनिवार तड़के धमाकों की आवाज़ें सुनी गईं। स्थानीय लोगों को मोबाइल ऐप के जरिए हवाई सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले। बाद में सऊदी नागरिक सुरक्षा निदेशालय ने एक्स पर एक बयान जारी कर कहा कि रियाद और अल-खर्ज में खतरा टल गया है।

साथ ही, लोगों से अपील की गई कि वे निर्देशों का पालन करते रहें और भीड़ न लगाएं या वीडियो न बनाएं। वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को कहा कि सऊदी अरब ने पिछले 24 घंटों में उनके कब्जे वाले इलाकों पर 26 हमले किए हैं। ईरान-समर्थित इस गुट और यमन की रियाद-समर्थित सरकार के बीच देश में फिर से गृहयुद्ध छिड़ गया है। गुट ने कहा कि पिछले हफ्ते उनके ठिकानों पर सऊदी हमलों की संख्या 300 तक पहुंच गई है और इन हमलों में हूती-नियंत्रित यमन के कई इलाकों को निशाना बनाया गया। इससे पहले चेतावनी दी गई थी, 'अल-खर्ज गवर्नरेट में आपातकालीन स्थितियों के लिए राष्ट्रीय प्रारंभिक चेतावनी मंच ने खतरे की चेतावनी देने के लिए एक अलर्ट जारी किया है।' सऊदी सिविल डिफेंस ने बताया कि गुरुवार को पश्चिमी सऊदी अरब के ताइफ में हूती समूह के एक ड्रोन का मलबा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इस ड्रोन को बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया गया था।

सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच पिछले कुछ दिनों में तनाव तेजी से बढ़ा है। हूतियों ने सऊदी शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें कई लोगों के घायल होने और घरों-वाहनों को नुकसान की खबर है। वहीं, सऊदी अरब ने भी यमन में हूती ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इसके साथ ही सऊदी का दावा है कि मक्का की ओर बढ़ रहे एक ड्रोन को भी मार गिराया गया, हालांकि हूतियों ने मक्का को निशाना बनाने से इनकार किया है। अब इस संघर्ष का असर सऊदी की अहम ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन पर भी पड़ा है। सऊदी अरब की तेल कंपनी अरामको ने कम से कम दो यूरोपीय रिफाइनिंग ग्राहकों को बताया है कि उन्हें अगले महीने यानी अक्तूबर में कच्चे तेल की डिलीवरी नहीं मिलेगी।

रूस में संसदीय चुनाव: युद्धकालीन वोटिंग में क्रेमलिन की पकड़ मजबूत, युद्धकाल और ड्रोन हमलों के साए में मतदान

मॉस्को, एजेंसी। रूस में शुक्रवार, 18 सितंबर को देश के पहले युद्धकालीन संसदीय चुनाव के लिए तीन दिवसीय मतदान शुरू हुआ। इन चुनावों में लगभग कोई वास्तविक विपक्ष नहीं है, जिससे क्रेमलिन की राजनीतिक प्रभुत्व सुरक्षित रहने की पूरी संभावना है। अधिकारियों ने 11 करोड़ 10 लाख पात्र मतदाताओं के बीच मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए सप्ताहांत तक चुनाव फैला दिए हैं। इसमें इलेक्ट्रॉनिक मतदान की भी अनुमति दी गई, जिससे मतदाताओं को सुविधा मिली। सेंट्रल इलेक्शन कमीशन के अनुसार, शुक्रवार देर शाम तक ऑनलाइन मतदान सहित करीब 30 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। क्रेमलिन इन संसदीय चुनावों को यूक्रेन पर 2022 के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद पहला चुनाव मान रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य युद्ध के लिए जन

समर्थन को रेखांकित करना और अपनी सैन्य कार्रवाई को वैधता प्रदान करना है। क्रेमलिन ने असंतोष के जरा से भी संकेत को दबाकर किसी भी राजनीतिक जोखिम से बचने की पूरी कोशिश की है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मतदान से पहले राष्ट्र से एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रूसी लोगों का चुनाव और संकल्प एक बार फिर दिखाएगा कि लाखों लोग उनके सैनिकों के साथ खड़े हैं। पुतिन ने जोर दिया कि रूसी लोग साझा मूल्यों, ऐतिहासिक स्मृति और मातृभूमि के प्रति प्रेम से बंधे एक एकजुट लोग हैं।

क्रेमलिन ने बताया कि पुतिन ने शुक्रवार को ऑनलाइन मतदान किया। कंप्यूटर स्क्रीन के सामने उनकी तस्वीरें भी जारी की गईं, जो उनकी डिजिटल भागीदारी को दर्शाती हैं। मुख्य क्रेमलिन दल, यूनाइटेड रूस, का निचली सदन, स्टेट ड्यूमा पर भारी नियंत्रण बनाए रखना लगभग तय है। 'व्यवस्थित विपक्ष' की कई छोटी पार्टियां भी अपनी उपस्थिति बनाए रखने की उम्मीद कर रही हैं। ये दल सभी प्रमुख मुद्दों पर सरकार के साथ मिलकर मतदान करते हैं, जिससे उनकी भूमिका सीमित रहती है। मतदाता दो अलग-अलग मतपत्र डालते हैं। ड्यूमा की 450 सीटों में से आधी राजनीतिक दलों का चयन करके भरी जाती हैं। शेष सीटों पर एकल-सीट निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ा जाता है, जहां मतदाता व्यक्तिगत उम्मीदवारों का चयन करते हैं। क्या रूसी नागरिक चुनावों से अलग भविष्य की उम्मीद कर रहे हैं? एसोसिएटेड प्रेस द्वारा साक्षात्कार किए गए रूसियों ने चुनाव से अलग-अलग उम्मीदें व्यक्त कीं। मॉस्को के दिमित्री किरिलिन ने इस सप्ताह की शुरुआत में बदलाव देखने की इच्छा व्यक्त की। वह एक अलग दल को सत्ता में देखना चाहते थे। हालांकि, मॉस्को के अलेक्जेंडर वर्तुखिन का मानना था कि यूनाइटेड रूस और कम्युनिस्ट जो कर रहे हैं, वह पर्याप्त है। उनके अनुसार, इन दलों के मंच सभी मुद्दों को कवर करते हैं। मॉस्को के एक मतदान केंद्र पर शुक्रवार को पेंशनभोगी गैलिना वाविलोवा ने अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करना सबसे महत्वपूर्ण बात है। वाविलोवा ने जोर दिया।

ट्रंप ने रूस पर प्रतिबंध बढ़ाने वाले कानून पर किए हस्ताक्षर

वॉशिंगटन , एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कानून पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत रूस पर प्रतिबंधों का दायरा बढ़ाया गया है और रूसी तेल व गैस के बड़े खरीदारों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही, ईरान के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंध लगाने के अधिकार को भी पांच साल के लिए बढ़ा दिया गया है। ट्रंप ने शुक्रवार को 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' पर हस्ताक्षर किए। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह कानून रूस पर कानूनी प्रतिबंध, टैरिफ और रोक लगाने तथा उन्हें बढ़ाने का अधिकार देता है। साथ ही ईरान पर पहले से लगे प्रतिबंधों को भी बढ़ाता है। रिपब्लिकन सीनेटर केटी ब्रिट के बयान के अनुसार, यह कानून राष्ट्रपति को निर्देश देता है कि वे रूसी कच्चे तेल या गैस के पांच सबसे बड़े इंपोर्टर्स

(आयातकों) पर या रूसी तेल प्रतिबंधों से बचने में मदद करने वाले शीर्ष पांच देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाएं। न तो साइन करने की घोषणा में और न ही लॉ मेकर्स के बयानों में उन देशों का नाम बताया गया जिन पर ये टैरिफ लगाए जाएंगे। उन्होंने किसी खास देश के लिए टैरिफ दर की भी घोषणा नहीं की। ब्रिट के ऑफिस ने कहा कि इस कानून में उन देशों के लिए छूट का प्रावधान है जो रूस से इतनी प्राकृतिक गैस इंपोर्ट करते हैं जो रूस के कुल प्राकृतिक गैस एक्सपोर्ट (निर्यात) का 15 प्रतिशत से भी कम है, बशर्ते वे इस इंपोर्ट को कम करने के लिए अहम कदम उठा रहे हों। ये प्रतिबंध सिर्फ ऊर्जा की खरीद तक ही सीमित नहीं हैं। सीनेटर के बयान के अनुसार, इनका निशाना रूसी अधिकारी, अमीर कारोबारी (ओलिगार्क), उनके परिवार के सदस्य, विदेशी लोग, रूसी बैंक और वित्तीय संस्थान और साथ ही रूस का 'शैडो फ्लीट' (गुप्त रूप से काम करने वाले जहाजों का बेड़ा) हैं। इस कानून में रूस और यूक्रेन में उसके युद्ध का समर्थन करने वालों के खिलाफ प्राइमरी और सेकेंडरी, दोनों तरह के प्रतिबंधों का प्रावधान है। अलबामा की रिपब्लिकन नेता ब्रिट, इस बिल पर दस्तखत के समय ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ मौजूद थीं। उनके ऑफिस ने बताया कि टेक्सास के रिपब्लिकन प्रतिनिधि माइकल मैककॉल भी वहां मौजूद थे। ब्रिट ने कहा, 'आज इस बिल पर दस्तखत करके राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस और उन सभी देशों को एक साफ संदेश दिया है, जो रूस की युद्ध मशीन को फंड देते हैं कि यूक्रेन के खिलाफ उनके आक्रामक कदमों का विरोध करने में अमेरिका एकजुट है।

उन्होंने इस बिल को पास कराने का श्रेय कांग्रेस के दोनों सदनों और व्हाइट हाउस में अपने सहयोगियों को दिया। उन्होंने इस कानून पर ग्राहम के काम की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अगर उनकी कड़ी मेहनत न होती तो हम आज यहां नहीं होते और उनकी विरासत के इतने अहम हिस्से को आगे बढ़ाने में मदद करना मेरे लिए सचमुच सम्मान की बात है। इस कानून का समर्थन करने वाले इडाहो के रिपब्लिकन प्रतिनिधि माइक सिम्पसन ने अतिरिक्त आर्थिक प्रतिबंधों को युद्ध खत्म करने की कोशिशों को आगे बढ़ाने का एक जरिया बताया।

बालों से घसीटा, 154 कोड़े और 44 साल की सजा: जेल में भी नहीं टूटीं नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी; लिख डाली किताब

तेहरान/ओस्लो, एजेंसी। तेहरान की कुख्यात एविन जेल की ऊंची और अंधेरी दीवारों के पीछे जब कैदियों को मानसिक और शारीरिक रूप से तोड़ने के लिए डंडों से पीटा जा रहा था, तब नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी चुपचाप कागज के टुकड़ों पर एक इतिहास दर्ज कर रही थीं। कई बार सुरक्षाबलों ने पन्ने जब्त कर लिए, 20 से ज्यादा डायरियां हिंसा में खो गईं, लेकिन उन्होंने लिखना बंद नहीं किया। जेल से मिले अस्थायी मेडिकल पैरोल के दौरान नरगिस ने इन्हीं पन्नों को एक संस्मरण का रूप दिया है, 'अ वुमन नेवर स्टॉप्स फाइटिंग'। उनकी यह किताब इसी महीने यूरोप के कई देशों में रिलीज हो रही है। सीएनएन को दिए एक बेहद बेबाक इंटरव्यू में 54 वर्षीय मानवाधिकार कार्यकर्ता ने जेल में दी जाने वाली अमानवीय यातनाओं और उन अधिकारियों के चेहरों को बेनकाब किया है जो इन अत्याचारों के लिए सीधे जिम्मेदार हैं। विभिन्न भाषाओं में अमन लिखे रंग-बिरंगे लिबास में महसा अमीनी की तस्वीर के आगे बैठीं नरगिस ने साफ कहा, इस किताब के बाद मुझे दोबारा जेल और गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं, लेकिन इस देश और इलाके में हमारे जीवन की यही कड़वी हकीकत है। इन जुल्मों का पर्दाफाश करना और सच को सामने लाना मेरा पहला फर्ज है।' नरगिस मोहम्मदी फाउंडेशन के अनुसार, ईरानी शासन के खिलाफ मानवाधिकारों और महिला स्वतंत्रता की आवाज उठाने के लिए नरगिस को अब तक कुल मिलाकर 44

साल से अधिक की जेल और 154 कोड़ों की सजा सुनाई जा चुकी है। हालिया महीनों में उनके साथ हुई बर्बरता पर नार्वेजियन नोबेल कमेटी के अध्यक्ष जोर्गन वात्ने फ्राइडनेस ने रोंगटे खड़े कर देने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया है कि गिरफ्तारी के दौरान डंडों और लाठियों से उनके सिर पर इतना मारा गया और उन्हें बालों से घसीटा गया कि उनके सिर में गहरे खुले घाव हो गए। घायल हालत में उन्हें दो महीने तक तन्हाई बैरक में रखा गया, जहां न तो उन्हें परिवार से मिलने की इजाजत थी और न ही अपने वकीलों या डॉक्टरों से बात करने की। मार्च में जेल के भीतर उन्हें संदिग्ध दिल का दौरा पड़ा। उनका वजन 20 किलोग्राम गिर गया। अत्यधिक मानसिक तनाव के कारण दिल की बीमारी गहराने पर उन्हें 18 दिन अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। नरगिस की डायरी पन्नों ने कई खुलासे किए हैं जिनमें सीधा कत्ल करने के बजाय इंसान को मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक रूप से तिल-तिल कर तोड़ना, व्यक्ति की पहचान, मानवीय गरिमा और सोचने-समझने की क्षमता को पूरी तरह कुचल देना।

संयुक्त राष्ट्र के बजट में 1 अरब डॉलर से ज्यादा की कटौती : ट्रंप प्रशासन

वॉशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि उसने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के बजट में 1 अरब डॉलर से ज्यादा की कटौती सुनिश्चित की। इसके साथ ही मुख्यालय के स्टाफ और शांति सैनिकों की संख्या में भी कमी की गई। यह बयान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अगले हफ्ते महासभा को संबोधित करने से पहले आया है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि मुख्यालय के 3,000 पदों में कटौती की जा रही है और दुनिया भर में 25 प्रतिशत से अधिक शांति सैनिकों को वापस भेजा जा रहा है। प्रशासन ने इन कटौतियों को संयुक्त राष्ट्र के काम को सीमित करने और उसके संसाधनों को शांति और सुरक्षा पर केंद्रित करने के प्रयास के रूप में पेश किया। ब्रीफिंग में बचत, प्रभावित पदों या शांति अभियानों का पूरा ब्योरा नहीं दिया गया। अधिकारी ने कहा, 'अब संयुक्त राष्ट्र के बजट में एक अरब डॉलर से अधिक की कटौती की गई है।'

अधिकारी ने इन कटौतियों को संगठन के 80 साल के इतिहास में पहली बार बताया और इसका श्रेय ट्रंप और विदेश मंत्री को दिया। इस ऐतिहासिक दावे के साथ ब्रीफिंग के दौरान कोई आंकड़े नहीं दिए गए। अधिकारी ने कहा, 'हम इसे संयुक्त राष्ट्र को डाइट पर रखना कहते हैं।'

प्रशासन का तर्क है कि संगठन ने बहुत सारी जिम्मेदारियां

ले ली हैं और उसे संघर्षों को सुलझाने पर ध्यान देना चाहिए। अधिकारी ने कहा कि बजट पर सहमति हासिल करने के लिए आम सहमति और व्यापक कूटनीतिक प्रयासों की जरूरत थी। अधिकारी को उम्मीद है कि ट्रंप अपने महासभा संबोधन में सुधारों पर चर्चा करेंगे, हालांकि भाषण की अंतिम सामग्री की घोषणा नहीं की गई थी। अधिकारी ने प्रशासन के इस कदम को संस्था को फिर से जीवित करने का अभियान बताया। उन्होंने कहा, 'हमने इसे मिलकर 'मुंगा', यानी 'मेक द यूएन ग्रेट अगेन' के रूप में रीब्रांड करने पर काम किया है। उन्होंने वार्षिक बैठक के कूटनीतिक महत्व का भी बचाव किया। मैनहट्टन में राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों, विदेश मंत्रियों, व्यापारिक नेताओं और राजनयिकों के जमावड़े से ऐसे अवसर पैदा होते हैं जिन्हें कहीं और दोहराना मुश्किल है। अधिकारी ने पिछले साल की बैठक का जिक्र किया, जब ट्रंप ने खाड़ी देशों और पाकिस्तान, तुर्की और इंडोनेशिया सहित मुस्लिम बहुल देशों को एक साथ लाया था। उन्होंने उन चर्चाओं को बाद में हुए शर्म अल-शेख शांति समझौतों और ट्रंप की 20-सूत्रीय गाजा शांति योजना से जोड़ा।

उन्होंने कहा कि प्रशासन इस साल की बैठक का उपयोग मौजूदा समझौतों और अनसुलझे कूटनीतिक प्रयासों दोनों को आगे बढ़ाने के लिए करने की उम्मीद करता है। ट्रंप सोमवार दोपहर न्यूयॉर्क पहुंचेंगे और उस शाम ट्रंप टॉवर में राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। वह मंगलवार सुबह महासभा को संबोधित करेंगे। उनके कार्यक्रम में ब्रिटिश और जापानी प्रधानमंत्रियों के साथ बैठकें और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के नेताओं के साथ एक बहुपक्षीय सत्र शामिल है। वह विश्व नेताओं के लिए एक स्वागत समारोह की मेजबानी भी करेंगे और वाशिंगटन लौटने से पहले वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति से मिलेंगे।

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

कजाखस्तान को हराया

नागोया । भारत ने एशियन गेम्स 2026 के महिला बैडमिंटन टीम इवेंट के पहले दौर में कजाखस्तान को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने 90 मिनट के भीतर ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में जीते।

भारत ने बैडमिंटन के महिला टीम स्पर्धा में कमजोर रैंकिंग वाले कजाखस्तान को 3-0 से हराकर रविवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उसके सामने मेजबान जापान की कड़ी चुनौती होगी। इचिनोमिया सिटी म्यूनिसिपल जिम्नेजियम में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू, उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने बिना कोई गेम गंवाए मुकाबला अपने नाम किया।

भारत ने जीते शुरुआती तीन मुकाबले- विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज सिंधू ने पहले मुकाबले में कमिला स्मागुलोवा को महज 24 मिनट में 21-7, 21-9 से शिकस्त दी। कजाखस्तान की कमिला की विश्व रैंकिंग 426 है। इसके बाद विश्व की 24वें नंबर की खिलाड़ी उन्नति ने अलिस्सा कुलेशोवा (विश्व रैंकिंग 866) को 22 मिनट में 21-7, 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर मौजूद तन्वी शर्मा ने डायना नामेनोवा (विश्व रैंकिंग 1067) को 21-5, 21-10 से हराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी।

भारत के सामने जापान की कड़ी चुनौती

भारत को अब मेजबान जापान के खिलाफ भारत को कहीं कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। जापान की टीम में विश्व की शीर्ष 10 रैंकिंग वाली तीन महिला एकल खिलाड़ी हैं। इसमें अकाने यामागुची (नंबर तीन), टोमोका मियाजाकी (नंबर सात) और नोजोमी ओकुहारा (नंबर 10) शामिल है। भारत 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से हारकर खाली हाथ लौट आया था। संभावित मुकाबलों में सिंधू का सामना यामागुची से, जबकि उन्नति का मुकाबला मियाजाकी से हो सकता है। वहीं महिला युगल में भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी का सामना जापान की विश्व नंबर तीन जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायू मात्सुमोतो से होने की संभावना है।सिंधू ने आगामी मुकाबलों में टीम टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताते हुए कहा, हमारी टीम अच्छी है और जापान भी मजबूत टीम है। इसलिए मुकाबला कड़ा होने वाला है। हर मैच महत्वपूर्ण है और यह एक अच्छा मुकाबला होगा। हम पूरी उम्मीद के साथ उतरेंगे और उम्मीद है कि जीत हमारी होगी।

संक्षिप्त समाचार

डेविस कप

भारत का अंतिम-8 में जगह बनाने का टूटा सपना, कोरिया ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

सियोल । डेविस कप के नए फॉर्मेट में पहली बार 'अंतिम 8' में पहुंचने वाले पहले एशियाई देश बनने का भारत का सपना टूट गया। शनिवार को सियोल में खेले गए क्वालीफायर राउंड-2 मुकाबले में कोरिया ने भारत को 3-1 से हराकर जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत में नीदरलैंड को हराने के बाद भारत के पास इतिहास रचने का मौका था, लेकिन शुरुआती दोनों सिंगल्स मैच हारने के बाद टीम मुश्किल स्थिति में आ गई। डबल्स मैच में शानदार प्रदर्शन से भारत ने कुछ देर के लिए मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन कोरिया ने चौथे मैच में जीत के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया। दक्षिणेश्वर सुरेश और एन श्रीराम बालाजी की जोड़ी ने कोरियाई जोड़ी को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर भारत को नई उम्मीद दी। दूसरा सेट हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने जोरदार वापसी की। उन्होंने तनावपूर्ण निर्णायक सेट में संयम बनाए रखा और महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया, जिससे वे मैच के लिए सर्विस करने की स्थिति में आ गए। भारत को मुकाबला जीतने के लिए बाकी दोनों सिंगल्स मैच अपने नाम करने थे, जिससे सुमित नागल पर दबाव बढ़ गया। हालांकि, कोरिया के सूनवू क्वोन ने रिवर्स सिंगल्स के अहम मैच में शानदार खेल दिखाया और नागल को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

सुब्रतो कप यू-17

मिनर्वा पब्लिक स्कूल ने गुजरात को 4-0 से रौंदा

चंडीगढ़ । 65वें सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट (जूनियर बॉयज अंडर-17) में मिनर्वा पब्लिक स्कूल (सीआईएससीई का प्रतिनिधित्व) का विजय अभियान लगातार जारी है। नई दिल्ली के पीपीएफजी ग्राउंड पर खेले गए मैच-डे 4 के मुकाबले में मिनर्वा ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए गुजरात को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस शानदार जीत के साथ मिनर्वा ने टूर्नामेंट में लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया। चार मैचों के बाद मिनर्वा की टीम कुल 30 गोल दाग चुकी है, जबकि उनके खिलाफ अब तक एक भी गोल नहीं हुआ है। सुबह 8 :30 बजे शुरू हुए इस मुकाबले में दोनों टीमों की रणनीतियों में स्पष्ट अंतर दिखा। मिनर्वा ने अपने आक्रामक 4-3-3 फॉर्मेशन के साथ शुरुआत की, जिसमें गोलकीपर रंजन के आगे साइलेक्स, चिंगखेई, टोनी और सामटे ने रक्षापंक्ति की कमान संभाली। मिडफील्ड में मूसा, के. चेतन और चेतन ने खेल की गति तय की और अटैकिंग लाइन के महेश, योहेनबा और राज को लगातार मौक़े बनाए।

वहीं, गुजरात की टीम डिफेंसिव 5-4-1 लो-ब्लॉक फॉर्मेशन के साथ उतरी, जिसका उद्देश्य मिनर्वा के हमलों को रोकना था। हालांकि, मिनर्वा के आक्रामक हाई-प्रेस ने महज 6वें मिनट में ही गुजरात के डिफेंस को तोड़ दिया।

एशियन गेम्स: सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराया

फाइनल में भारत की बेटियां

निशिन। एशियन गेम्स 2026 के महिला क्रिकेट इवेंट में महिला एशिया कप 2026 की पुनरावृत्ति हो गई है। महिला एशिया कप 2026 की तरह ही एशियन गेम्स 2026 महिला क्रिकेट का फाइनल मुकाबला भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच होगा। रविवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 114 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम इंडिया ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के विस्फोटक शतक की बदौलत 4 विकेट पर 195 रन बनाए थे। शेफाली ने मात्र 49 गेंदों पर शतक लगाया।

यह उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक था। शेफाली ने 49 गेंदों पर 9 छक्कों और 3 चौकों की मदद से नाबाद 100 रन की पारी खेली। इस शतक के साथ ही शेफाली ने मंधाना के सबसे तेज टी20 शतक के भारतीय महिला क्रिकेटर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मंधाना ने 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 गेंदों में ही शतक लगाया था। शेफाली के अलावा, स्मृति मंधाना ने 19 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 37 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 40 रन की पारी खेली। बांग्लादेश के लिए मारूफा अख्तर, संजीदा अख्तर, राबिया खान और नाहिदा अख्तर ने 1-1 विकेट लिए। 196 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश की पूरी टीम 15.4 ओवर में 81 रन पर सिमट गई।

सर्वाधिक 24 रन ओपनर दिलारा अख्तर ने बनाए। भारतीय टीम की तरफ से नंदिनी शर्मा और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट लिए। श्री चरणी को 2 विकेट मिला। क्रांति गौड़ और श्रेयांका पाटिल ने 1-1 विकेट लिए।

एशियन गेम्स

चमारी अथापट्टू ने खेली कप्तानी पारी

श्रीलंका ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया

निशिन। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए एशियन गेम्स 2026 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। श्रीलंकी कप्तान चमारी अथापट्टू जीत की हीरो रहीं। श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाए थे। पाकिस्तान के लिए सलामी बल्लेबाज शावाल जुल्फिकार ने 50 गेंदों पर 2 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 54 रन की पारी खेली। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी आयशा जफर ने तूफानी अर्धशतक लगाया। आयशा 40 गेंदों पर 2 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 71 रन बनाकर रन आउट हुईं। आयशा के रन आउट होने से पाकिस्तान का

निश्चित रूप से कुछ रन पीछे रह गया। कप्तान फातिमा सना ने 12 गेंदों पर नाबाद 20 और सायरा जबीन ने 14 गेंदों पर 17 रन बनाए थे। श्रीलंका के लिए सुगंदिका कुमारी, कप्तान अथापट्टू और काव्या काविंदी ने 1-1 विकेट लिए।

शैफाली वर्मा ने लगाया T20I करियर का पहला शतक, स्मृति मंधाना को छोड़ा पीछे; 6 बड़े रिकॉर्ड्स किए अपने नाम

शैफाली वर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में अपने टी20आई क्रिकेट करियर का पहला शतक लगाने में सफलता हासिल की। शैफाली ने अपना पहला टी20आई शतक 118वें मैच में लगाया और नाबाद 100 रन की पारी खेली। ये शैफाली के टी20आई करियर का बेस्ट स्कोर भी रहा साथ ही अपनी इस पारी के दम पर उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। यही नहीं उन्होंने टी20आई में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया और स्मृति मंधाना पीछे छोड़ दिया।

शैफाली ने तोड़ा स्मृति का रिकॉर्ड- शैफाली ने अपनी शतकीय पारी के दौरान 9 छक्के लगाए और वो भारतीय महिला टीम की तरफ से टी20आई में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में स्मृति से आगे आ गईं। शैफाली ने अब तक कुल 104 छक्के लगाए हैं जबकि मंधाना ने कुल 100 छक्के लगाए हैं। हालांकि ओवर ऑल शैफाली इस मामले में चौथे नंबर पर आ गईं।

एशियन गेम्स: भारतीय महिला हॉकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया

दीपिका ने 8 गोल किए

काकामिगाहारा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को गिफू प्रीफेचुरल ग्रीन स्टेडियम में अपने पूल बी के पहले मैच में उज्बेकिस्तान पर 19-0 से रौंदकर एशियन गेम्स 2026 में अपने सफर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। भारतीय टीम की जीत में सबसे बड़ी स्टार बनकर दीपिका उभरीं। दीपिका ने 8 गोल किए। इसके अलावा, इशिका ने 3, लालथंतलुआंगी और नेहा ने 2-2 गोल किए। बलजीत कौर, नवनीत कौर, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने 1-1 गोल किया। दीपिका की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला टीम ने जोरदार प्रदर्शन किया, और हाफ-टाइम तक वे उज्बेकिस्तान के खिलाफ 8-0 से आगे थीं। ब्रेक के बाद, भारत उज्बेकिस्तान को गोल करने का कोई मौका नहीं देने के मूड में नहीं लग रहा था, और दीपिका एक बार फिर अपने सबसे अच्छे फॉर्म में थीं, उन्होंने लगातार चार गोल करके भारत की बढ़त को 13-0 कर दिया।

एशियन गेम्स: गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम, दमदार फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगी भारत की बेटियां

काकामिगाहारा । भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें रविवार से एशियन गेम्स 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में दोनों टीमों का प्रदर्शन अलग-अलग रहा था, लेकिन अब उनका लक्ष्य एशियन गेम्स में बेहतर खेल दिखाकर अच्छे नतीजे हासिल करना होगा। वर्ल्ड कप में आठवें स्थान पर रहने के बाद पूल ए में शामिल भारतीय पुरुष टीम काकामिगाहारा के गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में इंडोनेशिया के खिलाफ अपने गोल्ड मेडल को बचाने का अभियान शुरू करेगी। वहीं, वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के बाद महिला टीम पूल बी के अपने पहले मैच में इसी स्टेडियम में उज्बेकिस्तान का सामना करेगी। एशियन गेम्स में इस खेल के लिए एक अतिरिक्त प्रोत्साहन भी है। गोल्ड मेडल जीतने वाली टीमों को ओलंपिक 2028 का टिकट मिल जाएगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली पुरुष टीम और सलीमा टेटे की कप्तानी वाली महिला टीम, दोनों के ही दिमाग में यह बात जरूर होगी। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और टीम ने आठवें स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट का अंत किया था। अब वे एशियन गेम्स में उस अभियान की कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर कोच क्रेग फुल्टन ने भी जोर दिया है।

पहले ही दिन भारत की चांदी

महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम ने जीता रजत; मुर्मू-शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने अपने पदकों का खाता खोल लिया है। महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में एलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और विदर्सा के विनोद की तिकड़ी ने रजत पदक अपने नाम किया। टीम के इस प्रदर्शन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि उनकी उपलब्धि ने खेलों में भारत का पदक खाता खोल दिया है।

भारतीय टीम ने क्वालिफिकेशन में कुल 1898.0 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहते हुए रजत पदक जीता। चीन ने 1904.2 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि मेजबान जापान 1897.1 अंक के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहा।

सोनम ने किया शानदार प्रदर्शन

भारत की ओर से सोनम उत्तम मस्कर ने क्वालिफिकेशन में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने 634.1 अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। एलावेनिल वलारिवन 633.5 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहीं। वहीं विदर्सा के विनोद ने 630.4 अंक हासिल किए और व्यक्तिगत रैंकिंग में 12वें स्थान पर रहीं। तीनों के संयुक्त प्रदर्शन ने भारत को टीम स्पर्धा में रजत पदक दिलाया।

घातकः घुस के मारेगा के जरिए फिर साथ आएंगे सनी-संतोषी

सनी देओल और राजकुमार संतोषी की जोड़ी हाल ही में 'बंटवारा 1947' के जरिए लंबे समय बाद साथ आई। फिल्म को दर्शकों का मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला। यह बंटवारे के दर्द से निकली एक इमोशनल कहानी थी। अब एक्टर और डायरेक्टर फिर से अपनी पुरानी फिल्म 'घातक' की सफलता को दोहराने का मन बना चुके हैं। हाल में इसकी चर्चा भी हुई थी कि दोनों फिर साथ आ सकते हैं। अब इस खबर पर मुहर भी लग चुकी है। संतोषी ने खुद 'घातक : घुस के मारेगा' टाइटल के साथ नई फिल्म की पुष्टि की है। नई फिल्म को लेकर रोचक बात ये है कि इसमें सनी 'घातक' वाले किरदार में ही नजर आएंगे, लेकिन फिल्म को उसका सीक्वल नहीं बताया गया है। सनी का वही किरदार नई कहानी और नए संदर्भ में लौटेगा। संतोषी के अनुसार इस किरदार का संबंध भी बनारस से ही है।

सनी की फिल्म के अलावा संतोषी अपनी 1994 की कल्ट कॉमेडी 'अंदाज अपना अपना' भी ला रहे हैं। नई फिल्म का टाइटल 'अदा अपनी अपनी' होगा। हालांकि यह सीक्वल नहीं होगी। निर्देशक के मुताबिक, इसकी कहानी अलग होगी, लेकिन कॉमेडी और एडवेंचर का जॉनर वही रहेगा। फिल्म में आमिर खान और सलमान खान की वापसी होगी या नहीं, इस पर उन्होंने अभी कुछ साफ नहीं किया है।

'बाप' और 'गबरू' के जरिए भी सनी का दिखेगा नया रूप

सनी के खाते में कुछ और फिल्में भी हैं। जिनकी झलक हाल फिलहाल में दूसरी फिल्मों के शोज में टीजर के जरिए सामने आई हैं। इनमें फिल्म 'बाप' शामिल है, जो लंबे समय से अटकी हुई थी। वहीं 'बंटवारा 1947' के साथ ही सिनेमाघरों में दिखाया गया सनी की फिल्म 'गबरू' का टीजर भी चर्चा में हैं। शशांक उदापुरकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी के साथ सिमरन और प्रीत कमानी नजर आएंगी। यह फिल्म उनके दिल के काफी करीब भी है। संतोषी ने यह भी बताया कि वह सनी के साथ सिर्फ इसी फिल्म पर ही काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनके पास सनी के साथ दो-तीन और कहानियां कतार में हैं। इनमें एक फिल्म में सनी

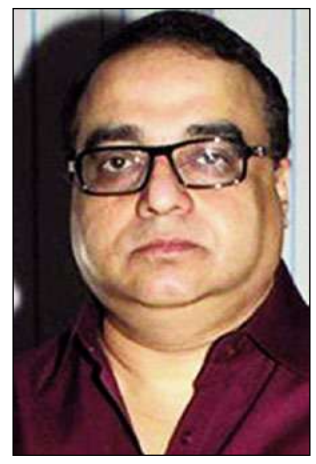

अमेरिका में रहने वाले सरदार के किरदार में दिखेंगे। वहीं 'जाट' के सीक्वल 'जाट 2' को लेकर भी संतोषी ने स्थिति साफ की है कि 'जाट 2' का निर्देशन वह नहीं करेंगे।

'मॉन्स्टर' से अलग है मेरी फिल्म

पैन इंडिया एक्शन ड्रामा 'ओरिजिनल मॉन्स्टर' की शूटिंग शुरू होने से पहले ही फिल्म का टाइटल रिवील पोस्टर और 65 सेकंड का मोशन पोस्टर जारी किया गया। इसमें डॉ. शिवराजकुमार का अब तक का सबसे खौफनाक और हिंसक अवतार नजर आ रहा है। पोस्टर पर 'शूट बिगिन्स, वॉर बिगिन्स' लिखा है।

टाइटल की घोषणा के साथ ही सोशल मीडिया पर सलमान खान की आगामी फिल्म 'मॉन्स्टर' से इसकी तुलना शुरू हो गई। दोनों फिल्मों के नाम में समानता को लेकर चल रही बहस पर शिवराजकुमार ने साफ किया कि दोनों फिल्मों की कहानियां अलग हैं। उन्होंने कहा... 'यह शिवा बनाम सलमान नहीं है, हम एक हैं।' शिवराजकुमार कहते हैं... 'अगर भगवान की मर्जी रही तो हम साथ काम करेंगे। शायद सलमान और मैं इस बारे में आगे कभी विचार करें।'

ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं जो समाज से जुड़े जरूरी सवाल उठाएं

'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम कर चुकीं अभिनेत्री नायला ग्रेवाल ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो समाज से जुड़े जरूरी सवाल उठाएं। उनका मानना है कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सिनेमा में लगातार जगह मिलनी चाहिए। आईएएनएस संग बातचीत में नायला ने कहा कि फिल्मों में जब महिलाओं की जिंदगी, उनकी परेशानियों और उनके अधिकारों से जुड़ी बातें सामने आती हैं, तो उन पर समाज में बातचीत भी शुरू होती है। नायला ने कहा, ''महिलाओं से जुड़े मुद्दे मेरे लिए काफी मायने रखते हैं। मैं इस विषय को लेकर खुद काफी जागरूक हूं और ऐसी फिल्म में काम करना चाहती हूं, जो महिलाओं से जुड़े मुद्दों को विस्तार से दिखाए। पिछले कुछ सालों में इस तरह की फिल्मों की संख्या में थोड़ी कमी आई है और अब पहले की तरह महिलाओं से जुड़े जरूरी विषयों पर पर्याप्त फिल्में देखने को नहीं मिल रही हैं।'' नायला ने इस दौरान 'थप्पड़' फिल्म की को-स्टार तापसी पन्नू की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे 'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तापसी ने घरेलू हिंसा और एक थप्पड़ के जरिए रिश्ते में सम्मान और बराबरी जैसे मुद्दों को सामने रखा था। तापसी ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनकर महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की कोशिश की है।'' अभिनेत्री ने तापसी की आने वाली फिल्म 'गांधारी' का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''यह फिल्म बच्चों की तस्करी जैसे मुद्दे पर बात करती है और महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की अहमियत बताती है। मैं खुद भी ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो इस सोच को आगे बढ़ाएं और लोगों को इन मुद्दों के बारे में सोचने पर मजबूर करें।'' इसी बात को आगे बढ़ाते हुए नायला ने महिलाओं की एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''महिलाओं को दूसरी महिलाओं का साथ देना चाहिए और उन्हें आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए। अगर महिलाएं ही एक-दूसरे को सपोर्ट नहीं करेंगी, तो फिर इस बदलाव की शुरुआत कौन करेगा।

प्रलय में कैमियो नहीं, बल्कि अहम भूमिका में हैं कल्याणी

कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने चर्चित हिंदी डेब्यू प्रोजेक्ट 'प्रलय' की शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी है। 'लोकाह' फेम एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया फिल्म की स्क्रिप्ट के फ्रंट पेज की झलक शेयर करते हुए बताया कि वह इन दिनों मुंबई में रणवीर सिंह के साथ शूटिंग में बिजी हैं। उन्होंने बताया कि इस बार ओणम पर वह तस्वीरें शेयर नहीं कर पाईं, क्योंकि वह पूरी तरह 'प्रलय' की शूटिंग में उलझी हुई हैं। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं, जो बतौर निर्देशक डेब्यू कर रहे हैं। इसकी स्क्रिप्ट जय और 'लुटेरे' फेम विशाल कपूर ने लिखी है। कल्याणी फिल्म में कैमियो नहीं, बल्कि अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का बड़ा हिस्सा ऑस्ट्रेलिया में शूट किया जाएगा। पहला शेड्यूल दिवाली तक चल सकता है।

फिल्म 'कॉलेज फेस्ट' में दिखाई देंगी रिया चक्रवर्ती

रिया चक्रवर्ती एक बार फिर अभिनय की दुनिया में सक्रिय नजर आ रही हैं। हाल ही में उन्होंने रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स इंडिया' के दूसरे सीजन में हिस्सा लेकर काफी चर्चा बटोरी थी। अब उनके हाथ एक नई फिल्म लगी है, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'इस फिल्म का नाम 'कॉलेज फेस्ट' है और इसका निर्माण रहा है। फिल्म में रिया चक्रवर्ती के साथ पूरव झा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। दोनों कलाकार फिल्म के लिए अपनी शूटिंग पूरी कर चुके हैं। इसमें आशीष चंचलानी भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगे। 'कॉलेज फेस्ट' की कहानी कॉलेज के छात्रों के आसपास घूमती है। हालांकि यह आम कॉलेज फिल्म जैसी नहीं होगी। हाल ही में रिया ने 'द ट्रेटर्स इंडिया 2' में 'द वायरल फीवर' यानी टीवीएफ कर हिस्सा लेकर काफी चर्चा बटोरी थी।

नए शो 'सयोनी' में नजर आएंगी रश्मि देसाई; बताया क्यों ठुकरा रहीं थीं ऑफर्स

एक्ट्रेस रश्मि देसाई करीब 8 साल से टीवी से दूर थीं। उन्हें पॉपुलर शो 'उतरन' से काफी पहचान मिली थी। अब इतने लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर एक्ट्रेस छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। रश्मि देसाई करीब आठ साल बाद टीवी पर नजर आएंगी। रश्मि नए शो 'सयोनी' में माया का किरदार निभाती दिखाई देंगी। शो में उनके साथ जाह्नवी सोनी और गौतम सिंह विग भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीवी पर वापसी को लेकर रश्मि ने बताया कि वह सिर्फ पर्दे पर वापस आने के लिए किसी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं। वह ऐसे किरदार और कहानी की तलाश में थीं, जिससे वह खुद को जोड़ सकें। इसी वजह से उन्होंने पिछले कुछ समय में कई ऑफर्स को ठुकरा दिया। रश्मि ने कहा कि एक कलाकार के तौर पर उनके पास काम के कई मौके आते हैं, लेकिन सिर्फ लगातार काम करते रहना और स्क्रीन पर नजर आना ही जरूरी नहीं है। उनके मुताबिक, कलाकार को ऐसा काम करना चाहिए जिसे लोग लंबे समय तक याद रखें। रश्मि को लगता है कि 'सयोनी' की कहानी में वही खास बात है और इसकी कहानी कलाकारों से भी बड़ी है। अपने किरदार माया के बारे में बात करते हुए रश्मि ने बताया कि यह सिर्फ एक काल्पनिक किरदार नहीं है, बल्कि काफी व्यावहारिक है। अभिनेत्री के मुताबिक, हर कलाकार ऐसा किरदार निभाना चाहता है, जिसे खूबसूरती से लिखा गया हो।

राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म बनाएंगे मोहित सूरी

साल 2025 में आई मोहित सूरी निर्देशित फिल्म 'सैयारा' ने सिनेमाघरों में खूब बवाल काटा था। अब वे एक और फिल्म के साथ हाजिर होने वाले हैं। मोहित सूरी नई फिल्म राम गोपाल वर्मा के साथ बनाएंगे। रामू ने बड़े ही रोचक अंदाज में फिल्म की जानकारी फैंस के साथ साझा की है।

राम गोपाल वर्मा और मोहित सूरी एक नई फिल्म पकाने वाले हैं। फिल्म के लिए पकाने जैसा शब्द इसलिए इस्तेमाल किया है, क्योंकि इन्होंने अपनी नई फिल्म का एलान ही कुछ इस अंदाज में किया, मानो कोई व्यंजन पेश करने वाले हैं। राम गोपाल वर्मा ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी और मोहित सूरी की एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'मैं और 'सैयारा' वाले मोहित सूरी अगली फिल्म साथ में पका रहे हैं। एक लव डिश जो गैंगस्टर करी से भरपूर होगी।

एलान के साथ फैंस उत्साहित

फिलहाल तो दोनों फिल्म मेकर्स ने एक छोटा सा अपडेट देकर फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। उम्मीद है कि जल्द ही वे पूरी जानकारी भी साझा करेंगे।

मोहित सूरी ने जताई खुशी

मोहित सूरी ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यह फो री-शेयर की और RGV के लिए अपना लगाव जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'उनकी फिल्में देखने और फिल्ममेकर बनने का सपना देखने से लेकर... उनके साथ फिल्म बनाने तक...और वो भी खुद 'OG गैंगस्टर' राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म बनाने का सपना मिला है। कुछ सफर सच में पूरे हो जाते हैं। यह बात सीधे दिल से निकल रही है'।

मंगला गौरी के लिए रुक्मिणी वसंत ने पहनी खाकी

रुक्मिणी वसंत अपनी अपकमिंग कन्नड़ फिल्म मंगला गौरी में एकदम अलग अंदाज़ में नजर आने वाली हैं। राहुल पीके के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म को राहुल पीके और पूजा सुधीर ने लिखा है। फिल्म के फर्स्ट लुक में रुक्मिणी पुलिस यूनिफॉर्म में स्कूटर पर बैठी नजर आ रही हैं, जिससे ऑडियंस को उनके नए कैरेक्टर की पहली झलक मिलती है। उनके साथ फ्रेम में वेटरन एक्ट्रेस मालाश्री भी नजर आ रही हैं। दोनों लीडिंग लेडीज़ की यह जोड़ी एक ऐसी कहानी का हिस्सा है, जिसमें दो अलग-अलग जनरेशन की एक्ट्रेसेज़ को सेंटर स्टेज पर लाया गया है। अपनी नुआन्स्ड परफॉर्मेंसेज़ और नेचुरल स्क्रीन प्रेज़ेन्स के लिए जानी जाने वाली रुक्मिणी ने अपने फिल्मी सफर में लगातार अलग-अलग तरह के कैरेक्टर्स को एक्सप्लोर किया है। मंगला गौरी में एक्ट्रेस खाकी पहनकर एक ऐसे रोल में कदम रख रही हैं, जो उन्हें अब तक के बिल्कुल अलग सेटिंग में पेश करता है। यह फिल्म फिल्ममेकर हेमंत एम राव के साथ उनकी दूसरी कोलाइबोरेशन भी है। इससे पहले दोनों सप्त सागरदाचे एलो में साथ काम कर चुके हैं। वहीं चक्कह प्रोडक्शंस के साथ यह उनकी दूसरी एसोसिएशन है, इससे पहले वह टॉक्सिक का हिस्सा रह चुकी हैं। मालाश्री के साथ रुक्मिणी की पेयरिंग इस प्रोजेक्ट को और भी इंटरेस्टिंग बनाती है। दो अलग-अलग जनरेशन की दो डिस्टिंक्टिव परफॉर्मर्स का साथ आना फिल्म के लिए एक अलग ही क्यूरियोसिटी क्रिएट करता है। केवीएन प्रोडक्शंस और दक्षिणायनी टॉकीज के बैनर तले बन रही मंगला गौरी में म्यूजिक मिधुन मुकुंदन का है, सिनेमैटोग्राफी श्रीवत्सन सेल्वाराजन ने संभाली है और एक्शन कोरियोग्राफी विक्रम मोर की है। फिल्म को वेंकट के नारायण और हेमंत एम राव ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की 75 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है और बाकी इसका काम कम्प्लीशन की ओर बढ़ रहा है।

रामदूत सेवा संघ लेस्टर के गणपति महोत्सव में शामिल हुए कोली पटेल समाज दमण-यूके के प्रमुख वासू पटेल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, लेस्टर 20 सितंबर। भारत से सात समंदर पार यूके के लेस्टर में दमण के मूल नागरिकों द्वारा गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। रामदूत सेवा संघ लेस्टर द्वारा आयोजित गणेश महोत्सव में बडी संख्या में नागरिक पहुंचकर गणपति बप्पा का दर्शन कर रहे हैं। कोली पटेल समाज दमण-यूके को रामदूत सेवा संघ लेस्टर में गणपति उत्सव में बुलाया गया। जिसमें कोली पटेल समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर कोली पटेल समाज दमण-यूके के प्रमुख वासू पटेल का रामदूत सेवा संघ के युवाओं और युवतियों ने फूलों का गुलदस्ता देकर शानदार स्वागत किया। जहाँ उन्हें आने वाले दिनों में होने वाले नवरात्रि प्रोग्राम के बारे में बताया गया। यह भी आग्रह किया गया कि समाज के सभी परिवार नवरात्रि में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और नवरात्रि प्रोग्राम को सुंदर और शानदार बनाएं। समाज के कन्वीनर संजय पटेल ने भी समाज की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और समाज के ट्रेज़रर हरेश पटेल ने भी समाज के अकाउंट्स और मेंबरशिप के बारे में जानकारी दी। इस प्रोग्राम में समाज के प्रमुख वासू पटेल, ट्रेजरर हरेश पटेल, कन्वीनर संजय पटेल, मंत्री नितिन पटेल, विजय गुलाब, विजय पटेल, हेनिल पटेल, योगेश नटू, जयेश पटेल ढाकलीनी वाडी, प्रणव पटेल, अलकेश पटेल भेसरोड, समाज के ऑफिस बेयरर्स और एग्जीक्यूटिव मेंबर्स बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में समाज की ओर से रामदूत सेवा संघ लेस्टर को धन्यवाद दिया गया।

दमण जिला भाजपा ओबीसी मोर्चा महामंत्री भावेश पटेल ने सपरिवार जेटी के राजा का लिया आशीर्वाद

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 सितंबर। दमण जिला भाजपा ओबीसी मोर्चा महामंत्री एवं युवा भाजपा नेता भावेश पटेल ने सपरिवार जेटी के राजा का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर दमण जिला भाजपा ओबीसी मोर्चा महामंत्री भावेश पटेल ने अपनी धर्मपत्नी निरंजना पटेल, पुत्र वेद पटेल के साथ जेटी के राजा भगवान गणेश की आरती उतारी और प्रदेश एवं देश की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस मौके पर जेटी ग्रुप के पदाधिकारियों एवं बडी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही।

वाडी फलिया युवक मंडल के गणेश विसर्जन में शामिल हुए काउंसिलर अस्पी दमणिया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 सितंबर। वाडी फलिया युवक मंडल द्वारा गणेश उत्सव के पावन अवसर पर स्थापित विघ्नहर्ता श्री गणपति जी का 5वें दिन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ विसर्जन किया गया। दिन की शुरुआत भव्य महाआरती एवं महाप्रसाद के वितरण के साथ हुई, जिसमें वाडी फलिया के सभी निवासियों और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके पश्चात, ढोल-नगाड़ों और गणपति बप्पा मोरया, पुढच्या वर्षी लवकर या के गगनभेदी जयकारों के साथ एक भव्य जुलूस निकाला गया। इस अवसर पर डीएमसी वॉर्ड नं. 6 के काउंसिलर अस्पी दमणिया, वाडी फलिया युवक मंडल के अध्यक्ष राजेशभाई, पंकिलभाई, धवलभाई, जसविंदर कौर, केतनभाई सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। जुलूस के उपरांत दमण जेटी पर श्री गणेश जी की प्रतिमा का पूर्ण विधि-विधान के साथ विसर्जन किया गया। विसर्जन के दौरान सभी श्रद्धालुओं ने दमण एवं संपूर्ण भारतवर्ष में सुख, शांति, समृद्धि और सफलता की कामना करते हुए गणपति दादा से आशीर्वाद मांगा। कार्यक्रम का समापन भक्तिमय माहौल और सामाजिक एकता के संदेश के साथ हुआ।

दमण कोर्ट परिसर में विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन: मध्यस्थता से विवादों के त्वरित समाधान पर दिया गया जोर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 सितंबर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण एवं एडवोकेट्स बार एसोसिएशन दमण के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को मोटी दमण स्थित कोर्ट परिसर के कोर्ट हॉल में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सिविल जज (एस.डी.) एवं चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट तथा प्रभारी सह-सदस्य सचिव श्री ओंमकार जे. कुलकर्णी ने कहा कि मध्यस्थता प्रक्रिया से समय के साथ-साथ धन की भी बचत होती है। साथ ही इसमें दोनों पक्षों की जीत होती है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता प्रक्रिया विवादों को सुलझाने का एक ऐसा माध्यम है जिसमें दोनों पक्षकार आपसी सहमति से समाधान निकालते हैं। इसमें कोई भी पक्ष हारता नहीं है, बल्कि दोनों पक्षों की जीत होती है क्योंकि निर्णय किसी बाहरी न्यायाधीश द्वारा थोपा नहीं जाता, बल्कि दोनों की रजामंदी से बनता है। हाल ही में मध्यस्थता अधिनियम 2023 और विभिन्न कानूनी सम्मेलनों में न्यायविदों ने इसे अदालती मुकदमों से बेहतर और टिकाऊ विकल्प बताया है। वर्षों तक अदालतों में चलने वाली लंबी सुनवाई से छुटकारा मिलता है। अदालती फीस और वकीलों के भारी खर्च से राहत मिलती है और आपसी बातचीत से कड़वाहट कम होती है और रिश्ते सुधरते हैं। शिविर में एडवोकेट सपना एस. पुजारी ने मध्यस्थता की प्रक्रिया तथा एक मध्यस्थ के मूलभूत कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता के माध्यम से विवाद से जुड़े पक्ष आपसी संवाद और सहमति के आधार पर समाधान की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। वहीं एडवोकेट चिंतन के. मोडासिया ने मध्यस्थता एवं आपसी समझौते के विभिन्न लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विवादों के समाधान में मध्यस्थता की भूमिका, समय एवं संसाधनों की बचत तथा पक्षकारों के बीच सौहार्दपूर्ण समाधान की संभावनाओं के बारे में जानकारी साझा की। कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित लोगों को यह संदेश दिया गया कि कानूनी अधिकारों और उपलब्ध वैकल्पिक विवाद समाधान व्यवस्थाओं की जानकारी होने से लोग अपने विवादों के समाधान के लिए उचित कानूनी रास्ते का चयन कर सकते हैं। कार्यक्रम के समापन पर एडवोकेट वेनिका एम. डी'सिल्वा ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंडमान के समंदर में रचा गया इतिहास: 200 गोताखोरों ने पानी के भीतर फहराया दुनिया का सबसे बड़ा तिरंगा

■ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम ■ दमण के गोताखोर उजैर कुरैशी ने रहे पल के साक्षी

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण / पोर्ट ब्लेयर, 20 सितंबर। भारत के साहसी गोताखोरों ने समंदर की गहराइयों में एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित कर दिया है, जिसने पूरे विश्व को अचंभित कर दिया है। 2 मई 2026 को अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के स्वराज द्वीप (पूर्व नाम हैवलॉक आइलैंड) के प्रसिद्ध राधानगर बीच पर देश के वीर जवानों और जांबाज नागरिकों ने मिलकर इतिहास रच दिया। समंदर की अगाध गहराइयों के बीच 200 से अधिक गोताखोरों ने एक साथ उतरकर दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में आधिकारिक तौर पर दर्ज कर लिया गया है। इस अभूतपूर्व और गौरवशाली अभियान में 60 मीटर लंबा और 40 मीटर चौड़ा यानी कुल 2400 वर्ग मीटर विशालकाय तिरंगा समंदर के नीचे ले जाया गया। पानी के तेज बहाव और दबाव के बीच इतने बड़े ध्वज को गरिमा के साथ फहराना एक बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसे इन गोताखोरों ने अपनी कड़ी मेहनत और अचूक तालमेल से मुमकिन कर दिखाया। इस ऐतिहासिक मिशन की सफलता में भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल, अंडमान पुलिस, वन विभाग और कई निजी डाइविंग सेंटर्स के 200 से अधिक अनुभवी गोताखोरों ने अपना सर्वस्व झोंक दिया। इस पूरे मिशन में सबसे ज्यादा ध्यान देश के युवा जज्बे ने खींचा। समंदर की गहराइयों को नापने वाले इस दल में सबसे कम उम्र के तीन जांबाज गोताखोर भी शामिल थे, जिन्होंने अपनी उम्र को पीछे छोड़ते हुए देश का नाम रोशन किया। इनमें 16 साल के फतेह जहां सिंह, 15 साल की लावन्या एरा और महज 14 साल के रणविजय सिंह शामिल रहे। साथ ही दमण के गोताखोर उजैर कुरैशी इस पल के साक्षी रहे। इन नन्हे हीरोज के साहस को देखकर वहां मौजूद हर शख्स की आंखें गर्व से नम हो गईं। इस ऐतिहासिक पल की प्रामाणिकता की जांच के लिए मौके पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम भी मौजूद थी। अंडमान-निकोबार के उपराज्यपाल डी.के. जोशी की गरिमामयी उपस्थिति में, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के आधिकारिक निर्णायक ऋषि नाथ ने सुबह ठीक 10:35 बजे इस रिकॉर्ड को आधिकारिक तौर पर प्रमाणित किया और भारत के नाम का सर्टिफिकेट जारी किया। समंदर की लहरों के नीचे तिरंगे की यह शान देखकर पूरा देश आज गर्व की अनुभूति कर रहा है, और यह रिकॉर्ड आने वाली पीढ़ियों के लिए देशप्रेम की एक अनूठी मिसाल बन गया है।

नवदुर्गा गरबी मंडल के पंडाल में मिनी दीव के आकर्षण के साथ गणपति उत्सव का आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 20 सितंबर। हर साल की तरह इस वर्ष भी दीव के झांपाबार में साईं बाबा मंदिर के पास मां नवदुर्गा गरबी मंडल की तरफ से गणपति उत्सव का भव्य आयोजन किया गया है। गणपति बप्पा की भक्ति-भाव से तैयार किया गया आकर्षक पंडाल हाल ही में लोगों के बीच चर्चा का केंद्र बना हुआ है। इस साल पंडाल की खासियत यह है कि इसे मिनी दीव का स्वरूप दिया गया है। पंडाल में दीव के अलग-अलग ऐतिहासिक और टूरिस्ट जगहों के शानदार कृति तैयार किए गए हैं। गणपति बप्पा के दर्शन के लिए बनाया गया एंट्रेंस गेट दीव के पुराने एंट्रेंस गेट की तरह बनाया गया है। पंडाल में घुसते ही आपको पुराना पुल, नागवा बीच पर लिखा 'दीव' शब्द और पानीकोठा दिख सकता है। आगे बढ़ते हुए, गंगेश्वर महादेव मंदिर के पांच शिवलिंग, सेंट पॉल चर्च, आईएनएस खुकरी वेसल, बंदर चौक गेट और दीव फोर्ट समेत दीव की कई मशहूर जगहों के आकर्षक कृतियां तैयार गई हैं। इन सभी कृतियों को देखने के लिए लोग बड़ी संख्या में पंडाल आ रहे हैं और मिनी दीव की इस अनोखी व्यवस्था की तारीफ कर रहे हैं। पंडाल को रंग-बिरंगी लाइटिंग से भी सजाया गया है, जिससे रात में पंडाल का आकर्षण और भी बढ़ जाता है। मां नवदुर्गा गरबी मंडल ने गणपति बप्पा की स्थापना के बाद 11 दिनों तक कई तरह के धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। जिसमें हर दिन बड़ी संख्या में भक्त पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और महाआरती समेत कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं और गणपति बप्पा के दर्शन करके धन्य महसूस कर रहे हैं।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)